एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-77 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 31 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

रुपया डॉलर के मुकाबले अभी तक सबसे कमजोर

पहली बार 1 डॉलर रू95.22 का हुआ

मुंबई। ईरान जंग की वजह से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आज यानी 30 मार्च को पहली बार 95 के पार पहुंच गया। कारोबार के दौरान ये 95.22 के सबसे निचले स्तर पर गिर गया। हालांकि बाद में ये थोड़ा संभला और कारोबार खत्म होने पर 94.78 पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव 94.85 के मुकाबले डॉलर के सामने 7 पैसे की मामूली मजबूती है। रुपए की कमजोरी का असर आम आदमी पर भी होगा। इससे विदेशों से इम्पोर्ट होने वाले सामान जैसे मोबाइल, सोना-चांदी, कच्चा तेल खरीदना महंगा हो जाएगा। इससे महंगाई बढ़ेगी। इसकी सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल है। खाड़ी देशों के एनर्जी ठिकानों पर ईरान के हमलों के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई है।

भारत अपनी जरूरत का 85प्रतिशत तेल आयात करता है, जिसके लिए डॉलर में पेमेंट करना पड़ता है। तेल महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ी और रुपया कमजोर हो गया। एक महीने में रुपया करीब 4त्न गिरा है। वहीं इस वित्त वर्ष में रुपया 10त्न से ज्यादा टूट चुका है। विदेशी निवेशकों ने मार्च में अब तक शेयर बाजार से करीब 1.15 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। युद्ध और अनिश्चितता के डर से निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों के बजाय अमेरिकी बॉन्ड्स में निवेश कर रहे हैं। इस भारी बिकवाली ने रुपए पर दबाव बढ़ा दिया है। इस समुद्री रास्ते से दुनिया का 20त्न और भारत का आधा तेल गुजरता है। युद्ध के कारण सप्लाई रुकने की आशंका है। जानकारों के मुताबिक, जब तक यहां स्थिति साफ नहीं होती, रुपए में अस्थिरता बनी रहेगी।

युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन | मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन आवश्यक: मुख्यमंत्री

भोपाल। *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन आवश्यक है। वे ही इस क्षेत्र में सक्रिय और सफल हो सकते हैं, जिनमें जनसेवा और जनकल्याण की भावना हो। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से राजनीति में आने वाले लोगों के कारण लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जनप्रतिनिधियों के लिए जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील होना, अध्ययनशील होना, तनाव प्रबंधन में दक्ष होना और जनहित के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करना आवश्यक है। कोई समस्या आने पर जनप्रतिनिधि का व्यवहार और समस्या निराकरण के लिए उनका प्रबंधन कौशल, उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है।*

सीएम बोले- लोकतंत्र के विचार की उत्पत्ति पश्चिम से हुई थी, पूर्णत- सत्य नहीं है। लोकतंत्र, भारतीय राजनैतिक व्यवस्था का नैसर्गिक गुण है। भारतीय व्यवस्थाओं में सदैव से ही मत भिन्नता को सम्मान दिया गया है, राजनैतिक और धार्मिक व्यवस्थाओं में शास्त्रार्थ की परम्परा प्राचीन समय से रही है।

मध्यप्रदेश सहित राजस्थान और छत्तीसगढ़ के युवा विधायक हुए शामिल

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में युवा जनप्रतिनिधियों की अहम जिम्मेदारी

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति, समुदाय या क्षेत्र की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, न्याय, समानता और बंधुता पर आधारित एक व्यापक व्यवस्था है। भारत का लोकतंत्र नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही मजबूत होता है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 25 नवंबर 1949 के संविधान सभा के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे लागू करने वाले लोग कितने प्रतिबद्ध और नैतिक हैं। श्री तोमर ने कहा कि युवा विधायक लोकतंत्र में नागरिकों और शासन के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं। उनकी नई ऊर्जा, आधुनिक सोच और नवाचार की क्षमता शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि युवा जनप्रतिनिधि सामाजिक कुरीतियों जैसे जातिवाद, नशाखोरी और लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध समाज को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उस सोच का उल्लेख किया जिसमें राजनीति में नई ऊर्जा और पारदर्शिता लाने के लिए बड़ी संख्या में युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

लोक सभा में शाह बोले

जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी होगी, अब बस्तर से लाल आतंक लगभग खत्म

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में 'नक्सल मुक्त भारत' मुद्दे पर चर्चा के दौरान सरकार की तरफ से जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा- जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, ऐसा नहीं चलेगा। हथियार उठाने वालों को उसकी कीमत चुकानी होगी। शाह ने कहा- सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया। कांग्रेस ने आजादी के बाद 75 साल में 60 साल राज किया। फिर आदिवासी विकास से क्यों बच गए। शाह ने कहा- कांग्रेस ने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हैं। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। जो लोग नक्सलवाद की वकालात करते हैं, उनसे पूछना चाहता हूं ये सब 1970 से अब तक क्यों नहीं हुआ था। संसद में आज नक्सलवाद पर चर्चा सरकार की तरफ से दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले हो रही है। शाह कई बार 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा कर चुके हैं। बस्तर से नक्सलवाद लगभग पूरी तरह खत्म हो चुका है। बस्तर के हर एक गांव में स्कूल खोलने के लिए एक अभियान चलाया गया। इस क्षेत्र के हर गांव में राशन की दुकान खोलने के लिए एक मुहिम शुरू की गई। हर तहसील और पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्थापित किए गए हैं। लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए गए हैं, और अब उन्हें पांच किलोग्राम अनाज मिल रहा है।

वामपंथियों ने भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा

क्या देश की सबसे बड़ी पंचायत को इस पर चिंतन नहीं करना चाहिए। नक्सलवाद का मूल कारण विकास की डिमांड नहीं, एक आइडियोलॉजी है, जिसे एक राष्ट्रपति चुनाव के कारण इंदिरा गांधी ने स्वीकार कर लिया। मनमोहन ने कहा था- माओवादी देश की सबसे बड़ी समस्या = प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था कि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की तुलना में देश की आंतरिक सुरक्षा में सबसे बड़ी समस्या माओवादी है। 2014 में बदलाव हुआ।

28 लाख छात्रों को 3,350 करोड़ स्कॉलरशिप मिली

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा, सपा सरकार में एससी-एसटी बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं दी गई। छात्रवृत्ति के पैसे को दूसरे कार्यों में डायवर्ट कर दिया गया। जिन्हें मिलती थी, उनका आधा पैसा सपा के लोग डकार जाते थे। 2017 में हमारी सरकार सत्ता में आई तो सपा के कार्यकाल वाली छात्रवृत्ति भी देनी पड़ी। आज सभी छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दी जा रही है। सीएम ने लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में कक्षा 9 व 10 के साथ-साथ दशमोत्तर स्तर के कुल 27,99,982 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप दी। 3,350 करोड़ रुपए सीधे उनके खाते में ट्रांसफर की गई।

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा, केंद्र का फैसला

राज्य के हर जिले में 2 पंपों पर सुविधा होगी, 60 दिनों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को फैसला लिया है कि अब राशन की दुकानों के साथ-साथ पेट्रोल पंप पर भी केरोसिन मिल सकेगा। अब सरकारी तेल कंपनियां तय किए गए पेट्रोल पंपों से भी केरोसिन रख और बांट सकेंगी। हर जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंप चुनेंगे, जहां यह सुविधा दी जाएगी। इन पेट्रोल पंपों पर अधिकतम 5 हजार लीटर तक केरोसिन रखा जा सकेगा। सरकार ने सप्लाई आसान बनाने के लिए 60 दिनों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के नियमों में ढील दी है, ताकि जरूरतमंद परिवारों तक तेल समय पर पहुंच सके। सरकार ने ये फैसला अमेरिका-इजराइल के ईरान संघर्ष के कारण लिया गया है।

नियमों में क्या छूट दी गई

- केरोसिन बांटने वाले एजेंट और डीलरों को लाइसेंस लेने से छूट दी गई है।
- टैंकरों से केरोसिन उतारने (सप्लाई) के नियम भी आसान किए गए हैं।
- पेट्रोल पंपों पर केरोसिन स्टोर और वितरण की अस्थायी अनुमति दी गई है।
- सरकार के अनुसार सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। देशभर के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है।

2007 में भी गिरफ्तार हो चुका था

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा (लेट) से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था।

दिल्ली, तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी।

जनगणना 2026

पहले चरण के लिए 33 सवाल तय हुए

नई दिल्ली। जनगणना-2026 का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इसमें 33 सवाल पूछे जाएंगे। इसके मुताबिक, स्थिर रिश्ते में रहने वाले लिव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है। पहले फेज के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर स्वक्त (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) भी दिए गए हैं। यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है, ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी।

लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा

भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण कहते हैं, जनगणना की संदर्भ तिथि (रेफरेंस डेट) बहुत महत्वपूर्ण है। संदर्भ समय 1 मार्च की आधी रात है, जो 28 फरवरी 2027 और 1 मार्च 2027 के बीच पड़ती है। इस संदर्भ तिथि का उल्लेख 16 जून 2025 को जारी पहली अधिसूचना में किया गया था, जिसमें जनगणना कराने के इरादे की घोषणा की गई थी। इसी संदर्भ तिथि के कारण इसे जनगणना 2027 कहा जाता है। 16 जून, 2025 को अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद प्रक्रिया शुरू हो गई थी।, लेकिन संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 ही बनी हुई है। जनगणना के परिणामों से प्रत्येक प्रशासनिक इकाई, राज्य, जिले, गांव और वार्ड की जनसंख्या और विभिन्न आंकड़ों की एक झलक मिलेगी, जैसा कि वे 1 मार्च, 2027 को 00:00 बजे की स्थिति में होंगे।

राहुल का आरोप-

केवल आरएसएस को ही विदेशी फंड मिलेगा

चेन्नई। देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं। उन्होंने कोट्टायम में कहा- विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में संशोधन विधेयक लाया जाना है। जिससे गंभीर बात है, क्योंकि इसके तहत केवल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ही विदेशी फंड प्राप्त कर सकेगा, जबकि अन्य संगठनों पर रोक लगा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ऋस्स में ऐसी क्या खास बात है कि उनके लिए अलग नियम हैं? वे नफरत फैलाते हैं और लोगों को बांटते हैं। भाजपा इसी तरह काम करती है। इससे पहले पतनमतिट्टा में राहुल ने कहा था कि नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में हैं। ठीक इसी तरह, नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को भी अपने इशारों पर नचाते हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बेल्दा में चुनावी सभा में कहा- भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने असम में बीजेपी कार्यकर्ताओं से नमो एप के जरिए ऑनलाइन चर्चा की। केरल में घर से वोटिंग शुरू प्रक्रिया शुरु हो गई है। जो लोग वोट डालने जाने में असमर्थ हैं, उनसे पोस्टल बैलेट के जरिए वोटिंग कराई जा रही है।

जंग | स्पेन ने अमेरिका के लिए एयरस्पेस बंद किया

मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक; कहा- ईरान युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ

वॉशिंगटन डीसी। स्पेन ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल अमेरिकी सैन्य विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। साथ ही मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है। स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गारीटा रोब्लेस ने कहा कि वे अपने एयरस्पेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से जुड़े किसी भी सैन्य अभियान के लिए नहीं होने देंगे। इस फैसले के बाद अमेरिकी विमानों को अपना रास्ता बदलना पड़ेगा। हालांकि मानवीय मदद और इमरजेंसी वाली उड़ानों को छूट दी गई है। अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो ने भी फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि उनका देश ऐसे युद्ध का साथ नहीं देना चाहते जो बिना वजह शुरू किया गया हो और कानून के खिलाफ हो। प्रधानमंत्री पेड्रो

रिपोर्ट:अमेरिका की ईरान में घुसकर यूरेनियम जब्त करने की तैयारी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ जमीनी कार्रवाई करने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ईरान के पास मौजूद यूरेनियम को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। ईरान के पास करीब 400 किलो समृद्ध (एनरिच्ड) यूरेनियम है, जिसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में किया जा सकता है। ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से कहा है कि ईरान को यह यूरेनियम छोड़ना ही होगा। अगर बातचीत से बात नहीं बनी, तो इसे जबरदस्ती भी लिया जा सकता है।

फारस की खाड़ी में भारत के 18 जहाज और 485 वरू मौजूद

ईरान जंग के बीच फारस की खाड़ी में भारत के 18 जहाज और 485 भारतीय वरू मौजूद हैं और सभी सुरक्षित हैं। पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी तरह की समुद्री घटना नहीं हुई है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारत सरकार के मुताबिक, हाल ही में दो भारतीय एलपीजी कैरियर बीडब्लू टीवायआर और बीडब्लूईएलएम सफलतापूर्वक होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर बढ़ चुके हैं।

अंगोला से गैस खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली। भारत में गैस की कमी और होर्मुज स्ट्रेट संकट की वजह से सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए देशों से रसोई गैस (एलपीजी) खरीदने का ऑप्शन तलाश रही है। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है।

तेलंगाना में 'पैरेंटल सपोर्ट बिल' पास

मां-बाप को बेसहारा छोड़ा तो कटेगी 15 फीसदी सैलरी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार बुढ़ापे में माता-पिता को 'बोझ' समझने वाले बच्चों पर अब तक की सबसे बड़ी सख्ती करने जा रही है। राज्य विधानसभा ने रविवार को 'पैरेंटल सपोर्ट बिल, 2026' सर्वसम्मति से पास कर दिया। इसके तहत, यदि कोई कर्मचारी अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करता, तो उसकी कुल सैलरी में से 15प्रतिशत या रू10,000 (जो भी कम हो) की कटौती की जाएगी। देश में पहली बार ऐसा कानून बना है जिसमें सरकारी के साथ ही प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों, विधायकों, सांसदों और सरपंचों तक को जवाबदेह बनाया गया है। खास बात यह है कि माता-पिता को इसके लिए कोर्ट नहीं जाना होगा, वे सीधे जिला कलेक्टर के पास आवेदन कर सकेंगे।

कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

मण्डला (नि.प्र.) कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कलेक्टर ने जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में राजस्व विभाग के कोर वर्क्स की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, राजस्व वसूली, रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, साइबर तहसील आदि विषयों पर तहसीलवार जानकारी लेते हुए बिंदुवार चर्चा की गई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का निराकरण शीघ्रता से करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के कोर वर्क्स पर विशेष फोकस करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे राजस्व वसूली के कार्य में तेजी लाएं और शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य हासिल करें। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

मण्डला (नि.प्र.) भारत की जनगणना 2027 के लिए जिला योजना भवन में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह की उपस्थिति में शुरू हुआ है। यह प्रशिक्षण 30 मार्च तक चलेगा। इसका उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के कार्य को सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित रूप से संपन्न करने के लिए तैयार करना है। फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के विभिन्न पहलुओं जैसे कि मकान सूचीकरण, मकानों की गणना, और डेटा संकलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इन फील्ड ट्रेनर्स का मुख्य दायित्व होगा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करें, जिससे जनगणना का कार्य जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से किया जा सके। उन्हें जनगणना के दौरान डेटा संग्रहण, प्रपत्र भरने की सही विधि, और मोबाइल ऐप के संचालन के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना

मण्डला (नि.प्र.) मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट बैठक में युवाओं के भविष्य को संवारने और उन्हें सुरक्षा सेवाओं में रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के 4000 युवक-युवतियों को सेना पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह आवासीय होगा जिसकी अवधि 40 दिन निर्धारित की गई है। सरकार ने प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को आर्थिक सहायता देने का भी प्रावधान किया है। पुरुष अभ्यर्थियों को 1000 रूपए प्रति माह तथा महिला अभ्यर्थियों को 1100 रूपए प्रति माह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

मछरिया में जन जागरूकता

मण्डला (नि.प्र.) मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड में जल गंगा संवर्धन अभियान जल शक्ति से नव भक्ति जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत बढ़ार के पोषक ग्राम मछरिया में जल चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने जल का महत्त्व बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है जल जीवन का आधार है और इसके बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना असंभव है। यह पीने, भोजन पकाने कृषि और उद्योगों के लिए अनिवार्य है।

नवीन प्रवेश पर आवेदन आमंत्रित

मण्डला (नि.प्र.) जिले के अंजनिया स्थित सांदीपनि विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नवीन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल एवं लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों के विरुद्ध विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। केजी-1 में 25 सीटें, केजी-2 में 2 सीटें, पहली कक्षा में 1 सीट, दूसरी में 7 सीटें, तीसरी में 7 सीटें, चौथी में 6 सीटें तथा पांचवीं कक्षा में 7 सीटें रिक्त हैं। केजी-1 के लिए न्यूनतम आयु 4 वर्ष तथा केजी-2 के लिए 5 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है।

सीएमएचओ कार्यालय से जांच के नाम पर चल रही खानापूर्ति झोलाछाप डॉक्टर कर रहे आमजन के जीवन से खिलवाड़

मण्डला (नि.प्र.)

जिला मुख्यालय से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। जिला मुख्यालय सहित छोटे बड़े हर एक गांव में डॉक्टर एक छोटे कमरे में अपनी सूझबूझ के साथ लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से लगे कई ऐसे गांव जहां कुछ ही कदम चलने पर कोई न कोई डॉक्टर दवा खाने पर रोगियों का इलाज करते नजर आ जायेगा। यह बात अलग है कि एक या दो डॉक्टर को छोडक़र बाकी किसी का न तो पंजीयन है और न ही कोई डिग्री व डिप्लोमा है। मेडिकल शैक्षणिक योग्यता का कोई भी प्रमाण नहीं है। बावजूद इसके जिला प्रशासन इस ओर किसी प्रकार से ध्यान नहीं दे रही है। झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीणों का ईलाज कर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। शासकीय अस्पतालों और निजी दवाखानों में भीड़ के कारण परेशानियों से बचने के लिये ग्रामीण अपने ही गांव में झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाने में मजबूर हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चारों ओर झोलाछाप गैर पंजीकृत डाक्टरों का जाल सा फैला हुआ है। इन डॉक्टरों में से कुछ डॉक्टर दसवीं तक उत्तीर्ण नहीं हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बेखौफ रोगियों का इलाज कर रहे हैं। इस समय झोलाछाप डॉक्टर इलाज में इंजेक्शन देकर ग्लूकोस की ड्रिप लगाते हैं और विभिन्न प्रकार की दवाईयां गांव में ही उपलब्ध करा देते हैं। उपलब्ध करायी गई दवाईयों के दाम 3 से 4 गुना तक वसूले जाते हैं मप्र उपचार ग्रह सोफ्चार पंजीयन 1973 के तहत प्रदेश में एलोपैथिक पद्धति भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद युनानी तथा होम्योपैथी को ही मान्यता है। इस पद्धति में पंजीकृत डॉक्टर को ही इलाज करने की पात्रता है समूचे ग्रामीण अंचलों में बगैर डिग्रीधारी फर्जी झोलाछाप डॉक्टर कुकुर मुत्ते की भांति बाढ़ सी आई हुई है। झोलाछाप डॉक्टर शासन द्वारा बनाये गये नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए जिले के स्वास्थ्य विभाग के शाखा प्रभारी से सांठगांठ कर क्षेत्र की भोलीभाली गरीब जनता को असामयिक काल के गाल में समाने भेज रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ झोलाछाप डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारियों से सांठगांठ कर लेते हैं जिसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है बल्कि एक गंभीर भ्रष्टाचार का मामला भी है जो सीधे तौर पर आम जनता के जीवन को खतरे में डाल रहा है झोलाछाप डॉक्टरों के इलाज से कई बार मरीजों की हालत और भी गंभीर हो जाती है। गलत दवाइयों, गलत इंजेक्शन और बिना जांच के किए गए इलाज के कारण कई मरीजों को जान गंवानी पड़ती है या वे स्थायी रूप से बीमार हो जाते हैं। लेकिन अधिकांश मामलों में ग्रामीण लोग कानूनी कार्यवाही नहीं करते, जिससे ऐसे डॉक्टरों के हौसले और बढ़ जाते हैं इस समस्या का समाधान केवल कार्रवाई से ही संभव नहीं है बल्कि इसके लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना होगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त डॉक्टर, दवाइयां और उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। साथ ही डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जानी चाहिए दूसरे ग्रामीणों को जागरूक करना भी अत्यंत आवश्यक है उन्हें यह समझाना होगा कि बिना डिग्री और पंजीयन वाले डॉक्टरों से इलाज कराना कितना खतरनाक हो सकता है इसके लिए जनजागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए सूत्रों की मानें तो अवैध रूप से प्रैक्टिस करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य विभाग मप्र शासन द्वारा वर्ष 2008 से लगातार सभी जिले के अधिकारियों को निर्देशित करता रहा है लेकिन पैसों के दबाव के कारण ये अधिकारी बौना साबित हो रहे हैं। नियमों को ताक में रखकर शासन के साथ आंख मिचौली का खेल खेल रहे हैं। झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही न होने के कारण मप्र शासन के स्वास्थ्य आयुक्त ने सभी जिलों के कलेक्टर पुलिस अधीक्षक व स्वास्थ्य विभाग जिला अधिकारी को पत्र लिखकर फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सीधे कार्यवाही करने का आदेश पारित किए गए थे। जिनकी प्रतियां समस्त विभागों को भेजने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही अब तक नहीं की जा सकी है जो सोचनीय विषय है।

महावीर जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम

मण्डला (नि.प्र.)

महावीर जयंती के पावन अवसर पर जैन समाज द्वारा दो दिवसीय भव्य धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन किए जा रहे हैं अहिंसा सत्य और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में श्रृद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है रविवार को कार्यक्रम की शुरुआत दिगंबर जैन मंदिर पड़ाव से सुबह लगभग 10 बजे भव्य वाहन रैली के साथ हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई महाराजपुर पहुंची जहां यह एक आकर्षक शोभायात्रा में परिवर्तित हो गई शोभायात्रा में भगवान महावीर स्वामी के जीवन और उपदेशों को दर्शाते हुए झांकियां सजाई गईं साथ ही श्रृद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे मार्ग में श्रृद्धालुओं ने जगह-जगह रैली का स्वागत किया। वातावरण अहिंसा परमो धर्म: के जयघोषों से गूंज उठा। इस दौरान समाज के सभी वर्गों युवाओं महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिससे आयोजन में विशेष उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान प्रवचन और सामाजिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। आयोजकों के अनुसार सोमवार को भी कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी। दिगंबर जैन मंदिर से एक और भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो नगर का भ्रमण करेगी जैन समाज ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान महावीर के संदेशों अहिंसा, अपरिग्रह और सत्य को अपनाने की अपील की है।

सीएनसीपी बालकों की कार्यशाला आज

मण्डला (नि.प्र.) बाल कल्याण समिति महिला एवं बाल विकास तथा आदर्श बाल गृह बालक ने जिले में जोखिम ग्रस्त और हाशिए में रह रहे बालकों के चिन्हांकन और उनके संस्थागत पुर्नवास के लिए अभिनव पहल की है जोखिम ग्रस्त और हाशिए में रह रहे बालकों के चिन्हांकन के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन का पूल तैयार किया जा रहा है। इसके लिए जिले में बाल संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला बाल विकास विभाग में इम्पैनल सपोर्ट पर्सन को चिन्हित किया गया है। इनके क्षमतावर्धन के लिए जिले में समयबद्ध तरीके से कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। सरदार पटेल वार्ड आदर्श बाल गृह बालक में 30 मार्च को अपरान्ह 12.30 बजे से आयोजित इस कार्यशाला में जिले में बाल संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं सामाजिक कार्यकर्ता और महिला बाल विकास विभाग में इम्पैनल सपोर्ट पर्सन सहभागिता करेंगे। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य जिले में 18 वर्ष की आयु तक के ऐसे बच्चे जिन्हें संस्थागत देखरेख की आवश्यकता है का चिन्हांकन कर बाल देखरेख संस्था में प्रवेश दिलाना है।

युवक का शव मिलने से सनसनी

मण्डला (नि.प्र.) जिले के उपनगर महाराजपुर में उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेल मैदान में बरामद हुआ। मृतक के चेहरे और गर्दन पर चोट के निशान पाए गए हैं जबकि घटना स्थल से कुछ दूरी पर उसकी चप्पल भी मिली है जिससे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है। मृतक की पहचान ग्राम केहरपुर निवासी 35 वर्षीय प्रभु मरावी के रूप में हुई है जो मजदूरी का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना प्रभारी डॉ. जयसिंह यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी रजत सकलेचा और एसडीओपी पीयूष मिश्रा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक की मां सुखवती मरावी के अनुसार प्रभु शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था और जल्द लौटने की बात कहकर गया था लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया पारिवारिक जानकारी के मुताबिक प्रभु की पत्नी पिछले दो वर्षों से मायके में रह रही है जबकि उसके 11 वर्षीय बेटे और 9 वर्षीय बेटी की जिम्मेदारी मां के साथ ही है। शव वन परिक्षेत्र कार्यालय के सामने स्थित खाली मैदान में मिला है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

दिव्यांग स्कूल में जागरूकता शिविर आयोजित

मण्डला (नि.प्र.)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल के संयुक्त तत्वावधान में विवेक तन्खा मेमोरियल दिव्यांग स्कूल में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मजिस्ट्रेट तपन धारगा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मजिस्ट्रेट तपन धारगा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांग बच्चों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाती है। योजनाओं के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को विधिक परामर्श प्रतिनिधित्व एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने बताया कि पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने जिले के न्यायालय परिसर में संपर्क कर सकते हैं। ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल की प्रदेश अध्यक्ष एवं पैरालीगल वालेंटियरश्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि शासन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से अद्वितीय दिव्यांग पहचान-पत्र, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं समावेशी शिक्षा अधिनियम समग्र शिक्षा, राष्ट्रीय ट्रस्ट की निश्चय एवं वात्सल्य योजनाएं तथा मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय सहायता योजनाएं उपकरण, यात्रा रियायत, पेंशन शामिल हैं। एडवोकेट प्रज्ञा झा ने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ आंगनवाड़ी स्कूल अथवा डीएलएसए के जरिए आवेदन किया जा सकता है। इस जागरूकता शिविर में सदस्य ममता चौरसिया, रागिनी तिवारी, मनीषा ठाकुर, विमलेश यादव,सुधा गौतम अनीता पांडे, सरोज सोनी, शिखा सोनी, अनुपमा चौरसिया, आकांक्षा साहू, याशना ताराम, साक्षी दुबे, विद्यालय के शिक्षकगण छात्र-छात्राएं अभिभावक एवं संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

श्रीराम जन्मोत्सव पर महाप्रसाद का वितरण

मण्डला (नि.प्र.)

श्रीराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर ग्राम पिंडरई में एक भव्य महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन मध्यांचल न्यूज मध्यप्रदेश पिंडरई एवं निवा मोबाइल हब एंड ऑनलाइन के तत्वा धान में सम्पन्न हुआ जिसमें ग्रामवासियों का उत्साह और सहयोग देखने लायक रहा कार्यक्रम में ग्राम के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। विशेष रूप से पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ मुस्लिम भाईयों की सहभागिता ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान पत्रकार निशांत वैष्णव एवं संपादक शिवम् कटारे निवा मोबाइल हब के संचालक अनुभव पाण्डेय मां आदिशक्ति दुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष उदय यादव शशि गुप्ता गणेश दास गोटू करेंद्र झारिया युवा साथी हुमेश प्रताप सिंह राजपूत दीपांशु सेन नैतिक राजपूत कुलदीप श्रीवास साहिल अशरफी सहित श्रृद्धालु उपस्तिथ रहे।

विद्युत केंद्र की लापरवाही से जनता बेहाल

मण्डला (नि.प्र.)

महाराजपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला बम्हनी विद्युत वितरण केंद्र इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। जैसे-जैसे गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है, वैसे-वैसे बिजली की अनियमित आपूर्ति ने आम जनता की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बम्हनी सब स्टेशन से हर 10-15 मिनट में बिजली कटौती की जा रही है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां लोगों को राहत की जरूरत है। वहीं लगातार हो रही बिजली की आवाजाही ने हालात और भी खराब कर दिए हैं। घरों में पंखे, कूलर और अन्य जरूरी उपकरण बंद होने से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को खासतौर पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक ओर सरकार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर रही है वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग की लापरवाही के कारण उन्हें पर्याप्त सेवा नहीं मिल पा रही लोगों ने आरोप लगाया है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। फिलहाल भीषण गर्मी के बीच बम्हनी क्षेत्र की जनता बिजली व्यवस्था में सुधार की उम्मीद लगाए बैठी है।

जल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

मण्डला (नि.प्र.)

जिले के विकासखंड मवई अंतर्गत ग्राम पंचायत खलौड़ी की पोषक ग्राम किकरामाल में इन दिनों भीषण जल संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन नल-जल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं बताया जा रहा है कि गांव में नल-जल योजना पूरी तरह से बंद पड़ी हुई है। गर्मी की शुरुआत होते ही हालात और बिगड़ गए हैं जिसके चलते ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है स्थिति यह है कि बिजली बिल का भुगतान नहीं होने के कारण विद्युत विभाग द्वारा योजना की बिजली आपूर्ति काट दी गई है। इसके चलते पानी सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है और गांव के लोग गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग निस्तार के लिए भी पानी की भारी किल्लत बनी हुई है गांव के लोगों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द पानी की समुचित व्यवस्था कराई जाए ताकि उन्हें इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

जल संवर्धन अभियान पर रैली

मण्डला (नि.प्र.)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, प्रमुख सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान जल है तो कल है, पानी बचाओ, जीवन बचाओ जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है इसलिए हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पानी की एक-एक बूंद का संरक्षण करें इस अवसर पर परामर्शदाता संतोष कुमार रजक ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

स्वयंसेवकों ने दी नशा मुक्ति की जानकारी

मण्डला (नि.प्र.)

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम बिनैका में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन चौपाल पर जन-जागरूकता का संचार किया गया। शिविर के दौरान छात्रों ने चौपाल पर एकत्र ग्रामीणों के समक्ष प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। अभिनय के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को हानि पहुँचाता है बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और मानसिक शांति को भी पूरी तरह नष्ट कर देता है। तकनीक के दौर में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से बचने के व्यावहारिक तरीके ग्रामीणों को समझाए गए यह आयोजन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कल्पना नामदेव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएस प्रभारी प्रवीण अग्रवाल ने मार्मिक बात कही नशा वह दीमक है जो हँसते-खेलते परिवारों को अंदर से खोखला कर उनके विघटन का कारण बनता है।

संक्षिप्त समाचार

रात 3 बजे ससुर ने मांगी रोटी, इनकार करने पर की मारपीट

शिवपुरी। जिले में रोटी को लेकर हुए विवाद में एक महिला से मारपीट की गई। रात करीब 3 बजे हुई इस घटना में पति और ससुर ने मिलकर 28 वर्षीय महिला को पीटा, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। देहात थाना क्षेत्र के रायश्री गांव निवासी मिथलेश परिहार (28) ने पुलिस को बताया कि उसका पति चरथ परिहार रात करीब 3 बजे घर आया और रोटी मांगी। जब उसने इतनी रात में रोटी न होने की बात कही, तो पति भड़क गया। इसी दौरान उसका ससुर चंदन परिहार भी मौके पर आ गया। दोनों ने मिथलेश को गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर पति ने डंडे से मारपीट की, जिससे उसके सिर में चोट आई और खून बहने लगा। उसके हाथ की कलाई में भी चोट आई। महिला ने आरोप लगाया कि ससुर ने भी उसे लात-घूंसों से पीटा, जिससे उसके पैर में चोट आई। घटना के समय ममता परिहार और रामदयाल परिहार मौजूद थे, जिन्होंने पूरी वारदात देखी। पीड़िता ने यह भी बताया कि मारपीट के बाद दोनों आरोपियों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने पुलिस में शिकायत की तो उसे जान से मार देंगे। देहात थाना पुलिस ने पति चरथ परिहार और ससुर चंदन परिहार के खिलाफ मारपीट और धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

इंदरगढ़। थाना थरेट क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर में नाबालिग बालिकाओं के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को 18 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 28 मार्च को फरियादिया द्वारा थाना थरेट में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग पुत्री एवं पड़ोसी की नाबालिग पुत्री के साथ 27 मार्च को दोपहर करीब 12 बजे ग्राम के ही मोनू रजक एवं देबू रजक द्वारा गलत कृत्य किया गया। सूचना मिलते ही थाना थरेट में अपराध पंजीबद्ध कर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मोनू रजक निवासी फतेहपुर को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपी की तलाश जारी है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध कच्ची शराब जब्त

श्योपुर। आवदा थाना पुलिस ने भूरवाडा गांव से आरोपी को अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी जोधाराम पुत्र लक्ष्मीनारायण बंजारा उम्र 35 साल निवासी ग्राम भूरवाडा गत दिवस 11:33 बजे बस स्टैण्ड बछेरी तिराहा ग्राम अवदा में कच्ची शराब बेच रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सात लीटर कच्ची शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

सेवा कार्यों का सोशल ऑडिट जरूरी: पौराणिक

सेवा भारती ग्वालियर विभाग की बैठक आयोजित

नगर संवाददाता, शिवपुरी

हम सभी मिलकर एक आदर्श और राष्ट्रवाद से प्रेरित समाज का निर्माण करने के लिए सेवा कार्य कर रहे हैं। जिसके उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी सेवा कार्यों और प्रकल्पों का समय-समय पर मूल्यांकन अर्थात 'सोशल ऑडिट' करना आवश्यक है। हमारे प्रत्येक सेवा कार्य में कार्य की गुणवत्ता के साथ हमारे उद्देश्य की पूर्णता भी दिखाई देनी चाहिए। केवल सेवा दिखावे के लिए नहीं अपितु सेवितजनों को राष्ट्रीय विचार के साथ सशक्त होकर खड़े होने की शक्ति हमारे सेवा कार्यों से मिलनी चाहिए। हमारा सेवा कार्य जिस उद्देश्य के लिए हमने शुरू किया क्या वह पूर्ण हो रहा है? या नहीं। यह देखना बहुत जरूरी है। हमारे सेवा कार्य और प्रकल्पों में अनुशासन , समर्पण के साथ संवेदनशीलता होनी चाहिए।

यह बात सेवा भारती के अखिल भारतीय संयुक्त सचिव विजय पौराणिक ने रविवार को मातृछाया परिसर स्थित सभागार में आयोजित सेवा भारती ग्वालियर विभाग की बैठक में कही। श्री पौराणिक ने कहा कि हम व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के विचार के साथ सेवा कर रहे हैं, इसलिए हमारे प्रत्येक प्रकल्प और कार्य में अनुशासन, सुदृढ़ीकरण और आत्मनिर्भर होना बहुत आवश्यक है, इसके लिए हमें सामूहिक प्रयास करने चाहिए।

बैठक में परिचय सत्र के बाद ग्वालियर महानगर में संचालित सभी बड़े 10 प्रकल्प, डबरा में संचालित प्रकल्प तथा ग्वालियर विभाग के तीनों जिले ग्वालियर,लश्कर तथा डबरा के पदाधिकारियों ने अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में सेवा भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री सुरेंद्र सोलंकी तथा सेवा भारती ग्वालियर विभाग के अध्यक्ष विजय गुप्ता, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य विनीता जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन ग्वालियर विभाग के सचिव डॉ. सुरेंद्र प्रधान ने किया तथा आभार ग्वालियर मुरैना विभाग के विभाग समन्वयक कैलाश कुशवाह ने व्यक्त किया।

संस्कार केंद्र के निर्माणाधीन भवन का किया अवलोकन

अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान विजय पौराणिक ने संजय नगर सेवा बस्ती के संस्कार केंद्र के निर्माणाधीन भवन का अवलोकन किया तथा ग्वालियर जिला इकाई में किशोरी बालिकाओं के लिए संचालित प्रकल्प निवेदिता भारती के प्रकल्प में भी दीदी एवं किशोरी बालिकाओं और कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं रविवार की दोपहर सेवा भारती ग्वालियर विभाग कार्यालय के सभागार में संस्कार केंद्रों की निरीक्षक दीदी, संचालक दीदियों का मासिक प्रशिक्षण भी संपन्न हुआ, जिसमें श्री पौराणिक ने सभी बहनों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर महानगर की विभिन्न सेवा बस्तियों में 50 से अधिक संस्कार केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

विद्या आरंभ समारोह में बच्चों को मिली शिक्षा की नई राह

नगर संवाददाता, शिवपुरी

वार्ड क्रमांक 36 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बाल चौपाल के साथ विद्या आरंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे बच्चों को औपचारिक विद्यालयीन शिक्षा से जोड़ना एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

इस अवसर पर 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के एक दर्जन से अधिक बच्चों को विद्याआरंभ प्रमाण पत्र वितरित कर उन्हें औपचारिक स्कूल शिक्षा की ओर अग्रसर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्र, गेंडेवाली सड़क पर किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व पार्षद विनोद कुमार अस्टैया, नवल किशोर बौहरे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ममता द्विवेदी तथा सहायिका उषा मांझी उपस्थित रहीं। समारोह में अभिभावकों को भी बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

न्याय परामर्श शिविर में 61 मामलों का समाधान, आमजन को मिली राहत

नगर संवाददाता, शिवपुरी

अधिवक्ता परिषद मध्य भारत प्रांत जिला इकाई ग्वालियर द्वारा बहोड़ापुर तिराहा क्षेत्र में न्याय परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बिजली, राजस्व, पुलिस व घरेलू विवादों से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में 61 लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। बिजली बिल, अतिक्रमण, घरेलू विवाद व प्रमाण पत्र संबंधी मामलों में त्वरित सहायता प्रदान की गई। परिषद ने जरूरतमंदों को कानूनी सलाह के साथ उचित कार्रवाई के लिए मार्गदर्शन भी दिया, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिली।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने ग्राहक पंचायत ने किया सर्वे

नगर संवाददाता, शिवपुरी

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ग्वालियर जिले की टीम ने एलपीजी गैस सिलेंडर संकट की आशंकाओं के बीच विभिन्न गैस एजेंसियों का सर्वे किया।

जांच में सामने आया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। टीम ने एजेंसी संचालकों को हॉकर्स पर निगरानी रखने और कालाबाजारी रोकने के निर्देश दिए। चेतावनी दी गई कि शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी। ग्राहक पंचायत ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की।

साथ ही उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। इस दौरान मुख्य रूप से प्रांत संगठन मंत्री लोकेंद्र मिश्रा, प्रांत उपाध्यक्ष देवी सिंह राठौर ,प्रांत महिला आयाम प्रमुख प्रियंका राजावत, प्रांत कार्यकारणी सदस्य डॉ. राहुल शर्मा, जिला सचिव एडवोकेट विवेक शर्मा, जिला सह सचिव प्रशांत शर्मा, लश्कर इकाई अध्यक्ष संजू बलेचा, सचिव नितेश पाल, मुरार इकाई अध्यक्ष एमपी सिंह, अनूप शर्मा, सुमित, देवेंद्र जाटव, सुशांक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संस्कार का किया अंतिम संस्कार

सात मार्च को स्कॉटलैण्ड यूनिवर्सिटी में हुई थी मौत

नगर संवाददाता, शिवपुरी

स्कॉटलैंड यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत रहे मौ नगर के होनहार विद्यार्थी संस्कार श्रीवास्तव पुत्र कुलदीप श्रीवास्तव की पार्थिव देह 21 दिन के इंतजार के बाद शनिवार रात आठ बजे उनके पैतृक घर मौ पहुंची। जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। विगत सात मार्च को स्कॉटलैंड यूनिवर्सिटी में संस्कार की रहस्यमय मृत्यु हुई थी। प्रशासनिक प्रक्रिया के बाद उनका शव शनिवार रात मौ लाया गया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने संस्कार के घर पर जाकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। अंतिम संस्कार में तहसीलदार सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

कोलारस में चालक की तबीयत बिगड़ने से अनियंत्रित बस दुकानों में घुसी, दो घायल

हादसे से आक्रोशित लोगों ने किया बस पर पथराव

नगर संवाददाता, शिवपुरी

कोलारस कस्बे में एबी रोड पर एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी सब्जी की दुकानों और एक स्टॉल में घुस गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। यह हादसा बस चालक की अचानक तबियत बिगड़ जाने की वजह से हुआ।

जानकारी के अनुसार, बालाजी बस सर्विस की बस मियाना से शिवपुरी की ओर जा रही थी। कोलारस में जगतपुर तिराहा पर सवारियां उतारने के बाद, गुंजारी नदी पुल पार कर गुरुद्वारा के पास पहुंचते ही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और दुकानों में जा घुसी। बस एक स्टॉल से टकराकर रुकी।

हादसे में 18 वर्षीय युवक और 45 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, एक सब्जी विक्रेता स्टॉल में फंस गया, जिसे हल्की चोटें आईं। बस की टक्कर से सड़क किनारे लगी कई सब्जी दुकानों को नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गुस्साए लोगों ने बस पर पथराव कर दिया और कुछ ने लाठियों से भी बस पर हमला किया।प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बस चालक की अचानक तबीयत खराब हो गई और उसे चक्कर आ गया, जिससे बस अनियंत्रित हो गई। होश में आने के बाद चालक ने बस को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। हादसे के समय बस में सवारियां नहीं होने से बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बिना देर किए अपने निजी वाहन से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोलारस पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तुरंत उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

निरीक्षण के दौरान महिला फॉरेस्ट गार्ड बेहोश, अस्पताल में भर्ती

नगर संवाददाता, शिवपुरी

सतनवाड़ा वन परिक्षेत्र की पचपेड़िया बीट में विगत दिवस निरीक्षण के दौरान महिला फॉरेस्ट गार्ड मेघा सेंगर की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल सतनवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में पेड़ों की कटाई की सूचना मिलने पर ट्रेनी आईएफएस अधिकारी जिज्ञासु अग्रवाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। मेघा सेंगर ने पहले ही अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी और बीट पर जाने में असमर्थता जताई थी। इसके बावजूद उन्हें टीम के साथ निरीक्षण के लिए जाना पड़ा। जंगल में निरीक्षण के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई और वह अचानक बेहोश हो गईं। डॉक्टरों के अनुसार उस समय उनका ब्लड प्रेशर असंतुलित था और उन्हें घबराहट की शिकायत भी थी।

इस मामले में ट्रेनी आईएफएस जिज्ञासु अग्रवाल ने बताया कि उन्हें महिला कर्मचारी की तबीयत खराब होने की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्होंने स्वयं मेघा सेंगर को अस्पताल पहुंचाया और डॉक्टरों से बात की।

पत्नी को बचाने के फेर में झटका मशीन के करंट से पति की मौत

अटेर थाना क्षेत्र के निवारी गांव की घटना

भिण्ड। जिले के अटेर थाना क्षेत्र में निवारी गांव के हार में रविवार को खेत पर काम के दौरान पत्नी झटका मशीन के करंट की चपेट में आ गई। पत्नी को करंट से बचाने के प्रयास में पति की जान चली गई।

जानकारी के अनुसार निवारी गांव निवासी विरोचन कुशवाह अपनी पत्नी शकुंतला के साथ खेत पर कटाई करने गए थे। इसी दौरान खेत में लगी झटका मशीन में अचानक करंट आ गया। जिसकी चपेट में शकुंतला आ गई। पत्नी को तड़पता देख विरोचन ने उसे बचाने की कोशिश की। बताया गया है कि जैसे ही विरोचन ने शकुंतला को बचाने के लिए हाथ लगाया तो वह खुद करंट की चपेट में आ गए।

आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों की मदद से सकुंतला को बचा लिया गया लेकिन विरोचन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खेतों में उपयोग हो रही झटका मशीनों से सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

थ्रेसर से कटकर किसान की मौत

लहार। भिण्ड जिले के मिहोना थाना क्षेत्र अंतर्गत ररी गांव में रविवार को सरसों की थ्रेसिंग के दौरान हादसे में एक किसान की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ररी गांव निवासी संतोष पुत्र मातादीन शर्मा 48 वर्ष अपने खेत में सरसों की फसल की थ्रेसिंग करा रहे थे। इस दौरान थ्रेसर में सरसों का बंडल सही तरीके से नहीं जा रहा था। संतोष ने उसे पैर से अंदर धकेलने की कोशिश की तो उनका पैर थ्रेसर में फंस गया। देखते ही देखते उनका पूरा शरीर थ्रेसर की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद चालक ने तुरंत मशीन बंद की लेकिन तब तक संतोष गंभीर रूप से घायल हो चुके थे और अत्यधिक खून बहने के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मिहोना थाना पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

भारत भवन निगम को मिली निर्माण की जिम्मेदारी

रजौधा में 18 करोड़ से बनेगा शासकीय महाविद्यालय भवन

- 20 बीघा शासकीय जमीन पर बनेगा महाविद्यालय
- राजा मानसिंह तोमर के नाम से होगा महाविद्यालय का नामकरण

नगर संवाददाता, शिवपुरी

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से शासकीय महाविद्यालय का नया भवन तैयार किया जाएगा। जिसके निर्माण के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने भारत भवन निगम को अधिकृत कर दिया है।

रजौधा के मजरा रायचंद का पुरा स्थित विद्युत उपकेन्द्र के पास करीब 20 बीघा जमीन पर शासकीय महाविद्यालय के लिए नए भवन का निर्माण किया जाएगा। यह निर्माण कार्य झांसी की एक कंपनी के माध्यम से कराया जाएगा। प्रस्तावित भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। जिससे क्षेत्र के छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा। इस महाविद्यालय का नाम राजा मानसिंह तोमर शासकीय महाविद्यालय रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक कमलेश सुमन ने सांदीपनि विद्यालय के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र सौंपकर महाविद्यालय का नामकरण राजा मानसिंह तोमर के नाम पर करने की मांग की थी। इस पर मुख्यमंत्री ने सहमति देते हुए नामकरण की घोषणा की थी।

महाविद्यालय के लिए आवंटित जगह से निकली विद्युत लाइन।

वर्तमान में शासकीय महाविद्यालय पुराने सांदीपनि विद्यालय भवन में संचालित हो रहा है। जहां जगह और संसाधनों की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही है। नए भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को कक्षा, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य मूलभूत सुविधाएं बेहतर रूप में उपलब्ध हो सकेंगी।

विद्युत लाइन को शिफ्ट करना पड़ेगा

महाविद्यालय के प्राचार्य भानुप्रताप सिंह तोमर के अनुसार रजौधा से करीब ढाई किलोमीटर दूर रायचंद का पुरा में भूमि आवंटित की जा चुकी है। हालांकि विद्युत उपकेन्द्र के पास से गुजर रही बिजली लाइन निर्माण में बाधा बन रही है। जैसे ही लाइन को शिफ्ट किया जाएगा, जमीन को पूरी तरह खाली कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। प्रशासन के अनुसार निर्माण कार्य शुरू होने के बाद लगभग एक वर्ष के भीतर शासकीय राजा मानसिंह तोमर महाविद्यालय का भवन तैयार कर लिया जाएगा। इससे रजौधा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी।

संपादकीय

बीमा-सुरक्षा का वादा या मुनाफे का मकड़जाल...?

स्वास्थ्य बीमा को आमजन के लिए एक सुरक्षा कवच माना जाता है–ऐसा भरोसा जो भविष्य की अनिश्चितताओं से राहत देता है। लेकिन वास्तविकता अक्सर इस भरोसे से अलग दिखाई देती है। तेजी से महंगी होती चिकित्सा व्यवस्था के बीच लोग अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बीमा पॉलिसियां तो खरीद लेते हैं, पर जब जरूरत पड़ती है, तब यही व्यवस्था कई सवाल खड़े कर देती है।

बीमा कंपनियां लोगों के भय और असुरक्षा की भावना को आधार बनाकर अपने उत्पाद बेचती हैं। विज्ञापनों और एजेंटों के माध्यम से यह भरोसा दिलाया जाता है कि किसी भी आपात स्थिति में आर्थिक मदद सहज रूप से उपलब्ध होगी। लेकिन जब वास्तविक दावा करने का समय आता है, तो शर्तों और नियमों की जटिलता सामने आ जाती है। छोटी-छोटी तकनीकी खामियों के आधार पर दावे खारिज कर दिए जाते हैं या भुगतान को काफी हद तक कम कर दिया जाता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक संकट को बढ़ाती है, बल्कि मानसिक रूप से भी मरीज और उसके परिवार को तोड़ देती है।

समस्या का एक गंभीर पक्ष अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित सांठगांठ का भी है। कई मामलों में मरीजों को वास्तविक आवश्यकता से अधिक महंगे इलाज की ओर धकेला जाता है, जबकि दूसरी ओर बीमा कंपनियां भुगतान से बचने के रास्ते तलाशती हैं। परिणामस्वरूप, मरीज दोहरी मार झेलता है–एक ओर भारी बिल, दूसरी ओर अधूरा या अस्वीकार किया गया बीमा दावा।

इस पूरे परिदृश्य में नियामक संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। नियम और दिशानिर्देश तो मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अक्सर नहीं हो पाता। पारदर्शिता की कमी और जवाबदेही का अभाव इस समस्या को और गहरा कर देता है। आम उपभोक्ता को न तो पॉलिसी की बारीकियों की स्पष्ट जानकारी दी जाती है और न ही दावा खारिज होने की स्थिति में उसे उचित न्याय आसानी से मिल पाता है।

स्थिति की विडंबना तब और बढ़ जाती है जब आर्थिक असमर्थता के कारण मरीजों के परिजनों को अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे उदाहरण सामने आते हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के नाम पर मानवीय संवेदनाओं को भी दरकिनार कर देते हैं। यह न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि समाज के नैतिक मूल्यों पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

अब समय आ गया है कि स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जाएं। सबसे पहले, पॉलिसी से जुड़े नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना जरूरी है, ताकि आम व्यक्ति उन्हें आसानी से समझ सके। साथ ही, दावों के निपटारे की प्रक्रिया को समयबद्ध और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। एक स्वतंत्र और सशक्त निगरानी तंत्र की स्थापना भी आवश्यक है, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों दोनों की कार्यप्रणाली पर नजर रख सके।

स्वास्थ्य बीमा का उद्देश्य लोगों को आर्थिक सुरक्षा देना है, न कि उन्हें और अधिक संकट में डालना। यदि इस क्षेत्र में पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, तभी यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर पाएगी। अन्यथा, यह सुरक्षा कवच धीरे-धीरे अविश्वास के बोझ तले दबता चला जाएगा।

सुविचार

जिंदगी की सच्चाई को समझना इतना कठिन नहीं है,
जिस तराजू पर हम दूसरों को परखते हैं,
कभी उसी पर खुद को भी परखकर देखना चाहिए।

सेहत

नीम की पत्तियों के प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

नीम की पत्तियां अपने एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए वरदान हैं। यह खून साफ करने, ब्लड शुगर नियंत्रित करने, त्वचा रोगों (मुहांसे, संक्रमण), लीवर डिटॉक्स, इम्यूनिटी बढ़ाने और बालों की समस्या दूर करने में अत्यधिक प्रभावी हैं। सुबह खाली पेट कोमल पत्तियां चबाना या उबालकर पीना सबसे फायदेमंद माना जाता है।

डायबिटीज में राहत- नीम के पत्ते हाइपोग्लाइसेमिक गुणों के कारण खून में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

त्वचा के लिए वरदान- एंटीसेप्टिक गुणों के कारण, यह मुहांसे, रैशेज और घाव को जल्दी ठीक करती है।

रक्त शोधक- यह शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालकर खून को साफ करती है।

इम्यूनिटी और संक्रमण से बचाव- यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ती है।

पाचन और लीवर स्वास्थ्य- नीम की पत्तियां पेट के कीड़ों को खत्म करती हैं और लीवर व किडनी के कार्य को सुधारती हैं।

नीम का पत्ता लिवर को डिटॉक्स करने के लिए अच्छा माना जाता है। यह आपके खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है और अच्छे कॉलेस्ट्रोल को बढ़ाने में प्रभावी होता है। यह आपके हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक है, जिसके कारण हार्ट फेलियोर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है।

बालों की समस्या- नीम का पानी बालों को धोने से रूसी और जूं कम होती है।

ओरल हेल्थ- यह दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखती है और सांसों की दुर्गंध दूर करती है।

उपयोग कैसे करें

सुबह खाली पेट 2-3 कोमल पत्तियां चबाएं।
पानी में उबालकर, उस पानी से नहाएं या पिएं।
पीसकर पेस्ट बनाएं और त्वचा पर लगाएं।

अस्वीकरण- नीम का सेवन सीमित मात्रा में करें। यदि आप गर्भवती हैं, गर्भधारण की कोशिश कर रही हैं या कोई अन्य चिकित्सीय स्थिति है, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

सादगी बनाम आडंबर : संत परंपरा का बदलता चेहरा

ज्ञानेंद्र सिंह असवाल

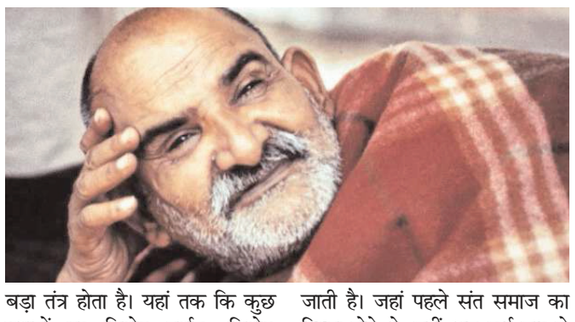

Neem Karoli Baba का जीवन भारतीय संत परंपरा का एक ऐसा उज्ज्वल उदाहरण है, जिसमें सादगी, त्याग, सेवा और निष्काम भक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। जब हम उनके जीवन की तुलना आज के समय के कई प्रसिद्ध संतों और बाबाओं से करते हैं, तो यह अंतर केवल जीवनशैली का नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण, उद्देश्य, समाज से संबंध और धर्म की व्याख्या तक में स्पष्ट दिखाई देता है। यह तुलना किसी व्यक्ति विशेष की आलोचना नहीं, बल्कि उस बदलाव को समझने का प्रयास है, जो समय के साथ आध्यात्मिकता के स्वरूप में आया है।

नीम करोली बाबा का पूरा जीवन एक साधारण कंबल, एक छोटी सी जगह और भक्तों के बीच सहज उपस्थिति में बीता। उन्होंने कभी भी अपने लिए भव्य आश्रम, महंगी गाड़ियां या विशेष सुविधाएं नहीं चाहीं। उनके लिए आध्यात्मिकता का अर्थ था–लोगों के दुख को समझना, उनकी सहायता करना और उन्हें भगवान से जोड़ना। उनका प्रसिद्ध संदेश सबसे प्रेम करो, सबकी सेवा करो, और भगवान को याद रखो केवल शब्द नहीं था, बल्कि उनके जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव था। Kainchi Dham जैसे आश्रम भी उनके द्वारा किसी वैभव के प्रदर्शन के लिए नहीं बनाए गए थे, बल्कि यह स्थान साधना, शांति और सेवा के केंद्र थे, जहां हर व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के आ सकता था।

इसके विपरीत, आज के समय में कई संतों की पहचान उनके विशाल आश्रमों, आलीशान परिसरों, महंगी गाड़ियों, निजी सुरक्षा और बड़े-बड़े न्यासों से होती है। ये आश्रम कई बार किसी व्यावसायिक संस्थान की तरह दिखाई देते हैं, जहां प्रबंधन, प्रचार-प्रसार और आर्थिक गतिविधियों का बड़ा तंत्र होता है। यहां तक कि कुछ स्थानों पर विशेष दर्शन, विशेष सुविधाएं और आर्थिक योगदान के आधार पर अलग-अलग स्तर की व्यवस्था भी देखने को मिलती है। यह स्थिति यह प्रश्न खड़ा करती है कि क्या आध्यात्मिकता का उद्देश्य वास्तव में यही है, या फिर यह केवल आधुनिक समाज की अपेक्षाओं और भौतिक आकर्षणों का परिणाम है। नीम करोली बाबा के समय में संत और समाज का संबंध अत्यंत सीधा और मानवीय था। वे किसी मंच से प्रवचन देने वाले संत नहीं थे, बल्कि लोगों के बीच बैठकर, उनके साथ बातचीत करके, उनकी समस्याओं को समझकर मार्गदर्शन करते थे। उनके पास आने वाला हर व्यक्ति, चाहे वह गरीब हो या अमीर, शिक्षित हो या अशिक्षित, समान रूप से स्वीकार किया जाता था। उनके लिए किसी की सामाजिक स्थिति या आर्थिक स्थिति का कोई महत्व नहीं था। यही कारण है कि उनके अनुयायियों में हर वर्ग के लोग शामिल थे–गांव के साधारण किसान से लेकर Steve Jobs और Mark Zuckerberg जैसे वैश्विक स्तर के लोग भी। आज के समय में कई संतों और बाबाओं के पास पहुंचना इतना सरल नहीं रह गया है। उनके आसपास एक पूरी व्यवस्था होती है–सुरक्षा, प्रबंधन, समय-निर्धारण और कई बार आर्थिक बाधाएं भी। इससे संत और आम व्यक्ति के बीच एक दूरी बन जाती है। जहां पहले संत समाज का हिस्सा होते थे, वहीं अब कई बार वे एक विशेष वर्ग तक सीमित होकर रह जाते हैं। यह बदलाव आध्यात्मिकता की उस मूल भावना को प्रभावित करता है, जिसमें संत का उद्देश्य समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचना होता था। नीम करोली बाबा की सबसे बड़ी विशेषता उनकी निष्काम सेवा थी। वे बिना किसी अपेक्षा के लोगों की मदद करते थे। उन्होंने कभी भी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया और न ही अपने अनुयायियों से किसी प्रकार की भौतिक अपेक्षा रखी। उनके लिए सेवा ही सबसे बड़ा धर्म था। इसके विपरीत, आज के समय में कई स्थानों पर सेवा भी एक संगठित गतिविधि बन गई है, जिसमें दान, न्यास और वित्तीय व्यवस्था का बड़ा ढांचा जुड़ा होता है। यह जरूरी नहीं कि यह गलत हो, क्योंकि बड़े स्तर पर कार्य करने के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है, लेकिन जब यह प्रक्रिया अत्यधिक व्यावसायिक हो जाती है, तो इसकी मूल भावना प्रभावित हो सकती है। एक और महत्वपूर्ण अंतर है–अहंकार और विनम्रता का। नीम करोली बाबा का व्यक्तित्व अत्यंत विनम्र था। वे स्वयं को कभी भी महान नहीं मानते थे और हमेशा अपने भक्तों के साथ एक साधारण व्यक्ति की तरह व्यवहार करते थे। उनके भीतर किसी प्रकार का अहंकार नहीं था। वहीं, आज के समय में कुछ संतों के आसपास एक ऐसा माहौल बन जाता है, जिसमें उन्हें अत्यधिक महिमामंडित किया जाता है, और कई बार यह स्थिति अहंकार को जन्म दे सकती है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि समय बदल चुका है और समाज की संरचना भी बदल गई है। आज की दुनिया में बड़े स्तर पर काम करने के लिए संगठन, संसाधन और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। इसलिए सभी आधुनिक संतों को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। आज भी कई संत और साधु ऐसे हैं, जो पूरी सादगी और समर्पण के साथ समाज की सेवा कर रहे हैं, लेकिन वे प्रचार से दूर रहते हैं।

> **नीम करोली बाबा की सबसे बड़ी विशेषता उनकी निष्काम सेवा थी। वे बिना किसी अपेक्षा के लोगों की मदद करते थे। उन्होंने कभी भी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया और न ही अपने अनुयायियों से किसी प्रकार की भौतिक अपेक्षा रखी। उनके लिए सेवा ही सबसे बड़ा धर्म था। इसके विपरीत, आज के समय में कई स्थानों पर सेवा भी एक संगठित गतिविधि बन गई है, जिसमें दान, न्यास और वित्तीय व्यवस्था का बड़ा ढांचा जुड़ा होता है। यह जरूरी नहीं कि यह गलत हो, क्योंकि बड़े स्तर पर कार्य करने के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है, लेकिन जब यह प्रक्रिया अत्यधिक व्यावसायिक हो जाती है, तो इसकी मूल भावना प्रभावित हो सकती है। एक और महत्वपूर्ण अंतर है–अहंकार और विनम्रता का।**

Ram Dass जैसे अनुयायियों ने नीम करोली बाबा के संदेश को दुनिया भर में फैलाया, लेकिन उन्होंने भी हमेशा इस बात पर जोर दिया कि आध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन में है। यही बात आज के समय में सबसे अधिक प्रासंगिक है। आज जब हम बड़े-बड़े आश्रमों, महंगी गाड़ियों और भव्य आयोजनों को देखते हैं, तो यह जरूरी हो जाता है कि हम यह समझें कि क्या यह सब वास्तव में आध्यात्मिक उन्नति में सहायक है, या यह केवल बाहरी आकर्षण है।

नीम करोली बाबा का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची आध्यात्मिकता बहुत सरल होती है–यह प्रेम, सेवा और भक्ति में निहित होती है। इसके लिए किसी विशेष स्थान, वस्त्र या साधन की आवश्यकता नहीं होती। इस तुलना का उद्देश्य किसी की निंदा करना नहीं, बल्कि यह समझना है कि हम किस प्रकार के आध्यात्मिक मार्ग को अपनाना चाहते हैं। क्या हम उस मार्ग पर चलना चाहते हैं, जो सादगी, त्याग और सेवा पर आधारित है, या उस मार्ग पर, जो वैभव, दिखावे और भौतिक संसाधनों से प्रभावित है।

देविका रानी, जिसने भारतीय सिनेमा उद्योग की दिशा बदल दी

महेन्द्र तिवारी

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जिन्होंने केवल अभिनय नहीं किया, बल्कि पूरे उद्योग की दिशा और सोच को बदल दिया। देविका रानी उन्हीं विरल व्यक्तित्वों में से एक थीं। उन्हें ÷भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला÷ कहा जाता है, और यह उपाधि केवल सम्मानसूचक नहीं बल्कि उनके व्यापक योगदान की सच्ची पहचान है। वह उस दौर में उभरीं जब भारतीय फिल्म उद्योग अपने प्रारंभिक स्वरूप में था और सामाजिक दृष्टि से फिल्मों में काम करना महिलाओं के लिए सहज नहीं माना जाता था। ऐसे समय में देविका रानी ने न केवल अभिनय किया, बल्कि सिनेमा को आधुनिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों से जोड़ा।

देविका रानी का जन्म एक समृद्ध और शिक्षित परिवार में हुआ था, जिसने उन्हें बचपन से ही स्वतंत्र सोच और कला के प्रति झुकाव दिया। उन्होंने अपनी शिक्षा इंग्लैंड में प्राप्त की, जहाँ उन्होंने अभिनय, संगीत, और डिज़ाइन का अध्ययन किया। विदेशी परिवेश में मिली यह शिक्षा उनके व्यक्तित्व को आधुनिक, आत्मविश्वासी और प्रयोगधर्मी बनाती है। यही कारण था कि जब वे भारत लौटीं, तो उनका दृष्टिकोण अपने समय की अन्य अभिनेत्रियों से बिल्कुल अलग था। हिमांशु राय से उनका मिलना उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। दोनों ने मिलकर न केवल विवाह किया, बल्कि भारतीय सिनेमा को नई दिशा देने का संकल्प भी लिया।

1934 में उन्होंने बॉम्बे टॉकीज़ की स्थापना की, जो उस समय का सबसे आधुनिक और संगठित फिल्म स्टूडियो बना। इस स्टूडियो ने भारतीय फिल्मों को तकनीकी और कलात्मक दृष्टि से एक नया स्तर प्रदान किया। यहाँ काम करने का अनुशासन, निश्चित कार्य समय, और कलाकारों को नियमित वेतन देने जैसी व्यवस्थाएँ उस समय क्रांतिकारी थीं। यह स्टूडियो केवल फिल्मों का निर्माण नहीं करता था, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन का केंद्र बन गया था, जिसने भारतीय सिनेमा को पेशेवर रूप दिया।

देविका रानी का अभिनय भी उतना ही प्रभावशाली था जितना उनका प्रबंधन कौशल। उन्होंने 1930 के दशक में कई महत्वपूर्ण फिल्मों में काम किया, जिनमें उनकी जोड़ी अशोक कुमार के साथ विशेष रूप से लोकप्रिय हुई। उनकी फिल्म अछूत कन्या भारतीय सिनेमा की एक मील का पत्थर मानी जाती है। यह फिल्म जाति व्यवस्था जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित थी और एक ब्राह्मण युवक और अछूत लड़की की प्रेम कहानी को प्रस्तुत करती थी। उस समय ऐसे विषयों पर खुलकर बात करना साहस का काम था, और देविका रानी ने अपने अभिनय के माध्यम से समाज के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया।

उनकी फिल्मों की विशेषता यह थी कि वे केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों, स्त्री की स्थिति, और मानवीय संबंधों की जटिलताओं को भी उजागर करती थीं। उनके पात्र अक्सर परंपराओं को चुनौती देते थे और अपनी इच्छाओं तथा अधिकारों के लिए खड़े होते थे। यही कारण है कि उन्हें एक प्रगतिशील और साहसी अभिनेत्री के रूप में देखा जाता है।

देविका रानी का व्यक्तिगत जीवन भी उतना ही नाटकीय और जटिल था जितना उनका फिल्मी जीवन। उनके जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, जिनमें उनके वैवाहिक संबंधों में तनाव और फिल्मी दुनिया के भीतर की राजनीति भी शामिल थी। एक समय ऐसा भी आया जब उनके और उनके सह-कलाकार के बीच संबंधों की चर्चा ने उनके करियर को प्रभावित किया, लेकिन उन्होंने अपने आत्मबल और पेशेवर दृष्टिकोण से इन परिस्थितियों का सामना किया और पुनः अपने स्थान को स्थापित किया।

1940 में हिमांशु राय के निधन के बाद देविका रानी ने अकेले ही बॉम्बे टॉकीज की जिम्मेदारी संभाली। यह उनके नेतृत्व कौशल का प्रमाण था कि उन्होंने इस स्टूडियो को न केवल बनाए रखा बल्कि उसे सफलतापूर्वक आगे भी बढ़ाया। उन्होंने कई नई प्रतिभाओं को अवसर दिया, जिनमें आगे चलकर भारतीय सिनेमा के बड़े नाम बने कलाकार भी शामिल थे। इस प्रकार वे केवल एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक निर्माता और मार्गदर्शक भी थीं।

हालाँकि, समय के साथ स्टूडियो के भीतर मतभेद और उद्योग की बदलती परिस्थितियों ने उन्हें फिल्म जगत से दूर कर दिया। 1945 में उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया और बाद में रूसी चित्रकार स्वेतोस्लाव रोएरिच से विवाह कर लिया। इसके बाद उन्होंने अपेक्षाकृत शांत जीवन बिताया और सार्वजनिक जीवन से दूरी बना ली। लेकिन उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सका।

देविका रानी को उनके अद्वितीय योगदान के लिए अनेक सम्मान मिले। उन्हें भारत का सर्वोच्च सिनेमा सम्मान, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, प्राप्त करने वाली पहली कलाकार होने का गौरव मिला। यह सम्मान उनके द्वारा स्थापित मानकों और उनके द्वारा सिनेमा को दिए गए नए आयामों की स्वीकृति था। उनकी विरासत केवल उनकी फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उस दृष्टिकोण में भी है जो उन्होंने भारतीय सिनेमा को दिया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त साधन भी हो सकता है। उन्होंने महिलाओं के लिए इस क्षेत्र में नए द्वार खोले और यह दिखाया कि वे केवल पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के पीछे भी नेतृत्व कर सकती हैं। आज जब हम भारतीय सिनेमा के विकास को देखते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उसकी नींव में देविका रानी जैसे व्यक्तित्वों का महत्वपूर्ण योगदान है।

ज्ञानवाणी

खण्डहर

एक सेठ जी थे,जो दिन-रात अपना काम-धँधा बढ़ाने में लगे रहते थे। उन्हें तो बस, शहर का सबसे अमीर आदमी बनना था। धीरे-धीरे पर आखिर वे नगर के सबसे धनी सेठ बन ही गए।

इस सफलता की खुशी में उन्होंने एक शानदार घर बनवाया। गृह प्रवेश के दिन, उन्होंने एक बहुत शानदार पार्टी का आयोजन किया। जब सारे मेहमान चले गए तो वे भी अपने कमरे में सोने के लिए चले आए। थकान से चूर जैसे ही बिस्तर पर लेटे, एक आवाज़ उन्हें सुनायी पड़ी... मैं तुम्हारी आत्मा हूँ, और अब मैं तुम्हारा शरीर छोड़ कर जा रही हूँ !!

सेठ घबरा कर बोले, अरे! तुम ऐसा नहीं कर सकती! तुम्हारे बिना तो मैं मर ही जाऊँगा। देखो! मैंने वर्षों के तनतोड़-परिश्रम के बाद यह सफलता अर्जित की है। अब जाकर इस सफलता को आमोद प्रमोद से भोगने का अवसर आया है। सौ वर्ष तक टिके, ऐसा मजबूत मकान मैंने बनाया है। यह करोड़ों रूपये का सुख सुविधा से भरपूर घर, मैंने तुम्हारे लिए ही तो बनाया है! तुम यहाँ से मत जाओ। आत्मा बोली, यह मेरा घर नहीं है, मेरा घर तो तुम्हारा शरीर था, स्वास्थ्य ही उसकी मजबूती थी, किन्तु करोड़ों कमाने के चक्कर में तुमने इसके रख-रखाव की अवहेलना की है। मौज-शौक के कबाड़ तो भरता रहा, पर मजबूत बनाने पर किंचित भी ध्यान नहीं दिया। तुम्हारी गैर जिम्मेदारी ने इस अमूल्य तन का नाश ही कर डाला है।

आत्मा ने स्पष्ट करते हुए कहा, अब इसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, थायरॉइड, मोटापा, कमर दर्द जैसी बीमारियों ने घेर लिया है। तुम ठीक से चल नहीं पाते, रात को तुम्हें नींद नहीं आती, तुम्हारा दिल भी कमजोर हो चुका है। तनाव के कारण ना जाने और कितनी बीमारियों का घर बन चुका है, ये तुम्हारा शरीर!

अब तुम ही बताओ, क्या तुम किसी ऐसे जर्जरित घर में रहना चाहोगे, जिसके चारों ओर कमजोर व असुरक्षित दीवारें हो, जिसका ढाँचा चरमरा गया हो, फर्नीचर को दीमक खा रही हो, प्लास्टर और रंग-रोगन उड़ चुका हो, ढंग से सफाई तक न होती हो, यहाँ वहाँ गंदगी पड़ी रहती हो। जिसकी छत टपक रही हो, जिसके खिड़की दरवाजे टूटे हों! क्या रहना चाहोगे ऐसे घर में नहीं रहना चाहोगे ना! इसलिए मैं भी ऐसे आवास में नहीं रह सकती। सेठ पश्चाताप मिश्रित भय से काँप उठे! अब तो आत्मा को रोकने का न तो सामर्थ्य और न ही साहस सेठ में बचा था। एक गहरी निश्वास छोड़ते हुए आत्मा सेठ जी के शरीर से निकल पड़ी... सेठ का पार्थिव बंगला पड़ा रहा।

शिक्षा

मित्रों, ये कहानी आज अधिकांश लोगों की हकीकत है। सफलता अवश्य हासिल कीजिए, किन्तु स्वास्थ्य की बलि देकर नहीं। अन्यथा सेठ की तरह मंजिल पा लेने के बाद भी, अपनी सफलता का लुत्फ उठाने से वंचित रह जाएँगे..!!

युद्ध की हिंसा, उन्माद से त्रासदी झेलता आम आदमी

संजीव ठाकुर

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है।

युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है।

युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं।

गर्मियों में बढ़ रही तरबूज की मांग, बाजार में बिक रहा 20 रुपए किलो... टमाटर के दामों में गिरावट

बरेली (नि.प्र.)

बहुत समय पहले बरेली नगर की बारना, तैंदानी, घोघरा और नर्मदा नदी के किनारे स्थित ग्रामों में तरबूज और खरबूज की खेती बड़े स्तर पर होती थी। यह काम एक समाज के लोग विशेष रूप से यह फसल लगाते थे। आज के समय में मांग बढ़ने के कारण किसान अब खेतों में तरबूर और खरबूज उगा रहे हैं। बरेली नगर की सब्जी मंडी में करीब 20 क्विंटल से ज्यादा तरबूज एवं खरबूज बिक रहा है। गर्मी में यह मौसमी फल सबसे सस्ता पसंदीदा माना जाता है। सब्जी मार्केट में या अन्य दुकानों पर यह पर्याप्त मात्रा में 20 रुपए किलों में बिक रहा है। छिंदवाड़ा से हर दिन बड़ी मात्रा में तरबूज आ रहा है। मंडी में ब्रोकर कार्य देख रहे रामप्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले के

साथ हर दिन बड़ी मात्रा में तरबूज आ रहा है। विक्रेताओं का कहना है कि छिंदवाड़ा क्षेत्र से आने वाला तरबूज अच्छी क्वालिटी का होता है। फल विक्रेता पवन आदिवासी और बब्लू कुशवाहा ने बताया कि यह मौसमी फल जल्दी खराब नहीं होता है। कम कीमत में अच्छा फल मिलने के कारण लोग बाग खूब खरीद कर सेवन कर रहे हैं। नगर की सब्जी मंडी में मुख्य विक्रेताओं का कहना है कि टमाटर के दामों में भारी गिरावट है। कई किसानों ने बड़े स्तर पर टमाटर की खेती की थी मगर दाम कम होने के कारण लोगों ने आम रास्ते पर भी टमाटर फेंके हैं। जहां एक ओर अभी वर्तमान समय में यह टमाटर सड़कों पर फेंका जा रहा है वही दूसरी ओर अगले दो माह बाद गर्मी के समाप्त होते ही टमाटर के दामों में एक दम से उछाल आ जाता है। गर्मी के बाद टमाटर 20 से 40 रुपए किलो तक बिकता है।

इनका कहना है

कोई भी मौसमी फल हो उसका सेवन अवश्य करना चाहिए। वह स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होता है। गर्मी के मौसम में तरबूज, खरबूज के साथ आम का भी सेवन करना चाहिए। इन सभी में पर्याप्त मात्रा में विटामिन एवं पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो शरीर के लिए मजबूती प्रदान करते हैं। अगर व्यक्ति किसी बीमारी से पीढ़ित है तो वह उसका सेवन डाक्टर की सलाह से करना चाहिए। कौन सा फल उसके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगा।

डा. जय प्रकाश पालीवाल, संचालक सहारा हॉस्पिटल भोपाल

गर्मी के मौसम में बड़े स्तर पर सब्जी मार्केट में नीबू खरीदने आते हैं। गर्मी के समय में नीबू ठंडक पैदा करता है। सभी लोग इसका सेवन करते हैं। हमारी दुकान पर नीबू 10 से 15 रुपए में बेंचा जा रहा है। हम भी मंडी से बढ़े हुए दामों पर खरीद रहे हैं। इस बार नीबू के रेटों में भारी बढ़ोतरी है। शायद इस नीबू की पैदावार कम हुई है।

गणेश राम कुशवाहा, सब्जी विक्रेता बरेली

पहले के समय में और आज के समय में सब्जी में भारी अंतर है। पहले की सब्जी स्वादिष्ट होती थी, आजकल की सब्जी में पर्याप्त मात्रा में दवाइयों का उपयोग किया जाता है। इसलिए वह सब्जी उतनी स्वादिष्ट नहीं लगती है। पहले बिना दवाई के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में सब्जी उगाई जाती थी। आज यह स्थिति कम हो गई है।

सरदार सिंह ठाकुर, वरिष्ठ समाजसेवी आम उपभोक्ता

▶ अस्पताल पहुंचने से पहले ही गई जान, हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

ग्राम कुचवाड़ा में पुरानी रंजिश के चलते चली गोली, एक की मौत, क्षेत्र में दहशत

बरेली (नि.प्र.)

बरेली अनुविभाग अंतर्गत आने वाले ग्राम कुचवाड़ा जो कि आचार्य रजनीश की जन्मस्थली होने के कारण देश विदेश में एक अलग ही स्थान रखता है, वही दूसरी ओर 2 वर्ष से चली आ रही पुरानी रंजिश के चलते एक बार फिर खूनी संघर्ष के कारण चर्चाओं में आ गया है। बता दें कि 28 मार्च की रात गांव के ही संतोष रघुवंशी पूर्व सरपंच के द्वारा शोरूम संचालक को लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी है। जिसमें रविंद्र पिता श्याम सुंदर रघुवंशी 45 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई थी।

बताया जाता है कि 14 जून 2023 के संघर्ष के दौरान आरोपी के परिजनों के द्वारा यहां मृतक रविंद्र के छोटे भाई और चाचा के बेटे को गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसमें आरोपी के परिवार के आठ सदस्य दो वर्ष पहले हुए डबल मर्डर केस में आज भी जेल में सजा काट रहे हैं। वही पुरानी रंजिश की आग ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और तनाव का माहौल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज दो घंटे के भीतर आरोपी को हथियार समेत गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के पोस्टमार्टम के लिए एक्सपर्ट एवं फोरेंसिक एक्सपर्ट के के दिशा निर्देशन में पोस्टमार्टम किया गया। बता दें कि घटना के तत्काल बाद मृतक के परिजन

रविंद्र को उपचार के लिए बरेली सिविल अस्पताल ला रहे थे कि रास्ते में ही रविंद्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार आरोपी और मृतक के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने रविन्द्र को देखते ही लाइसेंसी बंदूक से फायर कर दिया। आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का बताया जा रहा है।

घटना की रात से ही गांव में दहशत और डर का माहौल है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाड़ी, उदयपुरा और बरेली पुलिस बल सहित एडिशनल एसपी, एसडीओपी कुंवर सिंह मुकाती थाना प्रभारी कपिल गुप्ता बल के साथ गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। वहीं पलिस ने महज दो घंटे के भीतर आरोपियों जिसमें संतोष रघुवंशी, हर्षित रघुवंशी एवं मनोज सोनी को गिरफ्तार किया गया है। रामस्वरूप रघुवंशी घटना के बाद से फरार है, जिसकी पुलिस के द्वारा तलाश जारी है। आरोपी संतोष रघुवंशी के कब्जे से बंदूक भी बरामद कर ली है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और लोग सहमे हुए हैं।

पूर्व से चल रहा था विवाद

बता दे कि 14 जून 2023 में मृतक रविंद्र के चाचा के बेटे और रविंद्र के छोटे भाई की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं घटना को लेकर परिजन कोशलेंद्र रघुवंशी ने बताया कि कुछ महीने पूर्व मृतक रविंद्र को थाला पेट्रोल पंप पर भी बंदूक से फायर किया गया था, लेकिन मृतक ने बंदूक को पकड़ लिया था और बाल बाल बचे थे जिसका प्रकरण उदयपुरा थाने में दर्ज है।

शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब महाकाल ग्रुप के आयोजन ने बांधा समां

बरेली (नि.प्र.)

महाकाल ग्रुप के तत्वावधान में रविवार नगर में भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। शोभायात्रा ठाकुर मोहल्ला से प्रारंभ होकर बड़ा बाजार, छोटा बाजार, टॉकीज चौराहा, दिग्विजय परिसर, बाबरी मोहल्ला, बैटरी रोड, नया बस स्टैंड होते हुए शक्ति धाम मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान महाकाली का सजीव स्वरूप, भालू का आकर्षक रूप एवं राक्षसों की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। वही नगर परिषद द्वारा दिग्विजय परिसर पर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। महिलाएं सिर पर जवारे रखकर भक्तिभाव से चल रही थीं, वहीं बालिकाओं का अखाड़ा

प्रदर्शन भी लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना रहा। ढोल-नगाड़ों और बैंड बाजों की धुन पर भक्तजन झूमते नजर आए। नगर में चारों ओर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। हजारों की तादाद में उमड़े जनसैलाब ने आयोजन की भव्यता को और भी बढ़ा दिया। शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। चौराहों एवं प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी। महाकाल ग्रुप के इस आयोजन ने नगरवासियों के बीच धार्मिक आस्था और एकता का संदेश प्रसारित किया।

डीपीएस सागर में दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न

बरेली (नि.प्र.)

दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर में आयोजित दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण रविवार को सम्पन्न हो गया। ज्ञान सतत् प्रगतिशील नवीनीकरण विधा है। जब तक शिक्षक सतत् नवीनीकृत नहीं होगा तब तक वह अपने विद्यार्थी को नए ज्ञान से परिचित नहीं करा सकता। इसी उद्देश्य के मद्देनजर सीबीएसई के निर्देशन पर दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर में भी सीबीएसई रिसोर्सपर्सन दिलीप पायरा हॉली फैमिली कॉन्वेंट स्कूल खुरई, अरुनिता नैथानी निर्मल ज्योति हायर सेकंडरी स्कूल बीना ने डीपीएस सागर तथा डीपीएस मकरोनिया के 60 से अधिक शिक्षकों ने एक्सपीरियंस लर्निंग एण्ड केपीसिटी विल्डिंग विषयों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया।

प्रशिक्षण को लेकर विद्यालय के प्राचार्य डॉ रविकांत बाजपेयजुला ने बताया कि यदि विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है तो शिक्षकों को नवीनीकृत होना होगा। नए ज्ञान, ज्ञान की नवीन तकनीकों, शिक्षा की बारीकियों को सीखना होगा। इसको लेकर केन्द्रीय शिक्षा मण्डल समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षणों को आयोजित कराता है। विद्यालय के निदेशक इंजी. राहुल सराफ का भी मानना है कि हमारा शिक्षक अपडेट रहेगा तो हमारे विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास संभव है इसलिए डीपीएस सागर तथा डीपीएस मकरोनिया के सभी शिक्षकों प्रशिक्षण दिलाया जाता है।

अच्छे अंक पाकर कार्तिक ने स्कूल का किया नाम रोशन

बरेली (नि.प्र.) विद्या निकेतन स्कूल के होनहार छात्र

कार्तिक ठाकुर (हरिओम) ने कक्षा आठवीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर विद्यानिकेतन स्कूल का गौरव बढाया है। कार्तिक बहुत ही प्रतिभावान और होनहार छात्र हैं। छात्र की इस उपलब्धि पर स्कूल प्राचार्य छात्र के परिजन, इष्ट मित्रों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुऐ बधाई शुभकामनाएं दी हैं।

फरमान लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश के बाद प्रदेशभर के 70 हजार अतिथि शिक्षकों में आक्रोश

30 अप्रैल को समाप्त हो जाएंगी अतिथि शिक्षकों की सेवाएं

बरेली (नि.प्र.)

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवाएं अब 30 अप्रैल तक ही रहेंगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार अतिथि शिक्षकों की सेवा सुरक्षा का वादा दोहराती रही है। इस आदेश से अतिथि शिक्षकों में असंतोष है।

नए शैक्षणिक सत्र और रिक्त पदों की स्थिति : प्रदेश में एक अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू हो रहा है। इसे लेकर डीपीआई के संचालक केके द्विवेदी ने अतिथि शिक्षकों को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा कि शासकीय विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवाएं केवल 30 अप्रैल तक ही ली जाएंगी।

अधिकारियों को आदेश और शैक्षणिक व्यवस्था : आदेश सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल प्राचार्यों और शाला प्रभारियों को भेजा गया है। बता दें कि प्रदेश में करीब 70 हजार शिक्षकों के पद रिक्त हैं, लगभग इतनी ही संख्या में अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जहां रिक्त पद उपलब्ध हैं, वहां अतिथि

शिक्षक निर्धारित अवधि तक सेवाएं देते रहेंगे, ताकि विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित न हो।

वर्ष भर जारी रखी जाएं सेवाएं : राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने इस निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अतिथि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की अहम कड़ी हैं। उनकी सेवाओं को कुछ महीनों तक सीमित करना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने अतिथि शिक्षकों की सेवाएं वर्ष भर जारी रखने की मांग की है। ताकि उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। संघ ने इस मुद्दे को लेकर शासन स्तर पर चर्चा करने और आंदोलन की रणनीति बनाने के संकेत भी दिए हैं।

30 मार्च को होने वाला आंदोलन हुआ स्थगित : अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि प्रदेश के सभी संगठन मिलकर सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में 30 मार्च को भोपाल में प्रदर्शन करने वाले थे, अपरिहार्य कारणों की वजह से आंदोलन स्थगित किया गया है जो कि आगामी समय में बड़े स्तर पर किया जायेगा।

इनका कहना है

पूरे मध्यप्रदेश में अतिथि शिक्षकों ने शिक्षण व्यवस्था को बहुत सुधारा है, अच्छे परिणाम उन्होंने दिलवाये हैं, आज अतिथि शिक्षक सरकार की गलत नीति की वजह से परेशान हैं, बहुत दुर्भाग्य है कि उनको 12 माह सेवाकाल का अवसर यह वर्तमान सरकार नहीं दे रही है, सरकार को सभी अतिथि शिक्षकों को 12 माह सेवाकाल के साथ वेतन में भी बढोत्तरी की जानी चाहिए साथ ही शासकीय शिक्षकों की तरह छुट्टी एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए सरकार को अतिथि शिक्षकों की जो भी मांगें है उनको कैबिनेट में लाकर मंजूर करना चाहिए-

देवेन्द्र सिंह पटेल, पूर्व विधायक, उदयपुरा विस

राज्य सरकार के आदेश अनुसार शिक्षा विभाग ने अतिथि शिक्षकों को 30 अप्रैल तक सेवाएं देने का आदेश लागू किया है। हम शासन के आदेश का पालन करते हैं, आगामी समय में विभाग के द्वारा जो भी आदेश पारित किया जायेगा उसको हम लागू करेंगे।

केके बानी, प्राचार्य, शाउमा विद्यालय बरेली

प्रसिद्ध पशु बाजार की जगह पर बनेगा जनपद पंचायत का भवन

बरेली (नि.प्र.)

नगर की पहचान यहां के पशु बाजार से होती थी अब यह जगह जनपद पंचायत की बिल्डिंग बनाने के लिए आवंटित कर दी गई है, जिससे पशु बाजार खत्म हो जाएगा, जिससे केसली की जो पहचान पशु बाजार से होती थी वो भी नहीं रहेगी। इसी जगह पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या माध्यमिक विद्यालय, कन्या छात्रावास और पशु शेड भी इसी जगह पर है एवं यहां प्राचीन पीपल और बरगद के वृक्ष है जहां 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम आयोजित होता है। बिल्डिंग आवंटित होने के चलते वो भी बंद हो जाएंगे। जिला कलेक्टर को इसकी जानकारी नहीं थी जिसके चलते इतने महत्वपूर्ण स्थल के पास जपं की बिल्डिंग आवंटित की गई जिससे पशु बाजार और अन्य शिक्षा संस्थान प्रभावित होंगे। चूंकि जो जगह आवंटित की गई है वो मूल रूप से ग्रापं केसली के अंतर्गत आती है लेकिन पंचायत को जपं बिल्डिंग निर्माण के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

इस जगह पर बाजार लगाने की नीलामी ग्राम पंचायत के द्वारा होती थी। हाल में ही वर्तमान जनपद पंचायत में कुछ समय पहले जहां जगह खाली थी वहां नया निर्माण करके कुछ कमरे बनाए गए हैं इसके बावजूद नए बिल्डिंग की आवश्यकता क्यों है, ये जांच का विषय है एवं अन्य जगह भी शासकीय जमीन है उसको छोड़कर पशु बाजार की बेशकीमती जमीन पर ही जनपद पंचायत का निर्माण क्यों होना है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि इस विषय पर गौर करें और जनपद पंचायत की बिल्डिंग के निर्माण के लिए अन्य स्थान आवंटित करें।

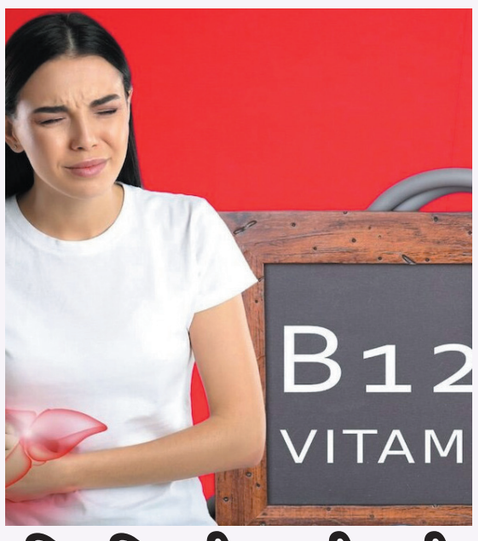

विटामिन बी12 की कमी से भी होता है फैटी लिवर

हाल ही में सामने आई एक रिसर्च ने फैटी लिवर डिजीज विटामिन बी12 की कमी से भी जोड़ा है। विटामिन बी12 शरीर के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के कामकाज में अहम भूमिका निभाता है।

यह मुख्य रूप से मांस, अंडे और डेयरी उत्पादों में पाया जाता है। 2022 में हुए एक अध्ययन के अनुसार, विटामिन बी12 और फोलिक एसिड की कमी लिवर की कोशिकाओं में फैट मेटाबॉलिज्म से जुड़ी एक जरूरी प्रोटीनसिंटाक्सीन 17 को प्रभावित करती है। इस प्रोटीन की कार्यक्षमता कम होने पर फैट लिवर की स्थिति और बिगड़ सकती है। शोध में यह भी देखा गया कि होमोसिस्टीन नामक अमीनो एसिड की अधिकता लिवर फंक्शन को बाधित करती है और एनएफएलडी को गंभीर रूप एनएएसएच (नॉन-अल्कोहोलिक स्टेटोहैपेटाइटिस) में बदल सकती है। हालांकि, जब मरीजों को विटामिन बी12 और फोलिक एसिड सप्लीमेंट दिए गए, तो उनकी लिवर सूजन और फाइब्रोसिस में सुधार देखा गया।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ये सप्लीमेंट्स सुरक्षित, सस्ते और आसानी से उपलब्ध हैं, जो फैटी लिवर के इलाज में प्रभावी हो सकते हैं। इससे न केवल लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत को टाला जा सकता है बल्कि यह उपचार आर्थिक दृष्टिकोण से भी किफायती साबित हो सकता है। फैटी लिवर दो प्रकार के होते हैं— एनएफएलडी, जो शराब पीने वालों में होता है और एनएफएलडी, जो बिना शराब पीने वालों को होता है। अगर इसे समय रहते नहीं पहचाना गया, तो यह थकान, पेट दर्द, वजन घटना, आंखों और त्वचा का पीलापन जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि लिवर प्रोफाइल और विटामिन बी12 की जांच कराकर समय पर उपचार लिया जाए।

मालूम हो कि भारत में हर चार में से एक व्यक्ति फैटी लिवर डिजीज से प्रभावित है, जो अब न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। खासतौर पर नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित कर रही है। यह बीमारी लिवर में चुपचाप फैट जमा होने से होती है, जो शुरुआत में बिना किसी लक्षण के शरीर को नुकसान पहुंचाती रहती है।

फाइबर का एक बेहतरीन और प्राकृतिक स्रोत है कटहल

गर्मियों के मौसम में कटहल आने लगता है। इसकी सब्जी स्वाद में काफी अच्छी मानी जाती है। ये स्वाद के साथ ही सेहम सेहत को भी खजाना है। पोषक तत्वों की प्रचुरता के कारण इसे सब्जियों का सुपरफूड भी कहा जा सकता है। विशेष रूप से, यह फाइबर का एक बेहतरीन और प्राकृतिक स्रोत है। आयुर्वेद में कटहल को भारी और चिकनाई वाली सब्जी माना गया है, जो शरीर के पोषण की जरूरतों को पूरा करता है। कटहल को अगर सही तरीके से पकाया जाए को यह शरीर में वात का संतुलन भी करता है लेकिन अगर पाचन अग्नि मंद है तो इसका सेवन कम से कम करें क्योंकि इसे पचाने में पेट को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। भारी और चिकनाई युक्त होने की वजह से इसके पाचन में लंबा समय लगता है।

कटहल के सेवन के बहुत सारे लाभ होते हैं, और शुगर के मरीजों के लिए यह सब्जी एक बेहतर विकल्प है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो रक्त में शर्करा की मात्रा को कम करता है। यह हृदय के लिए भी लाभकारी होती है और कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में मददगार है। इसमें पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो हृदय से जुड़े रोगों के खतरे को कम करता है। कटहल में अधिक मात्रा में फाइबर भी होता है। अगर कब्ज या आंतों में गंदगी जमा रहती है, तो कटहल का सेवन आंतों को साफ करने में भी सहायक है। यह आंतों के लिए एक ब्रश की तरह काम करता है, जो गंदगी को जल्दी से जल्दी शरीर से बाहर निकालता है। पेट के साथ-साथ यह सब्जी सौंदर्य को बढ़ाने में भी लाभकारी है।

इसमें मौजूद विटामिन ए और सी मिलकर स्किन और बालों को निखारने का काम करते हैं। इसके साथ ही कुछ लोगों को कटहल के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। गैस या मंद पाचन वाले लोगों को इसका सेवन कम ही करना चाहिए। अगर शरीर में वात की अधिकता है, तो इसे कम मसालों के साथ बनाएं और सीमित मात्रा में ही खाएं।

तनाव, अनिद्रा व नशे का पेट पर पड़ता है प्रभाव

तनाव, अनिद्रा व नशे का पेट पर पड़ता है प्रभाव

तनाव, अनिद्रा व नशे का प्रभाव पेट पर पड़ता है और इससे कब्ज के साथ ही पेटदर्द भी होता है। इसका कारण यह है कि जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम पाचनतंत्र से जुड़ी आम समस्या है। इसकी एक बड़ी वजह तनाव या अन्य कारणों से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होना है। जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। वहीं व्यक्ति जब नींद लेता है तो उसे इन लक्षणों का अहसास नहीं होता।

लक्षण

पेटदर्द, ऐंठन, आंतों का काम बंद होना, दस्त, तनाव, कब्ज, नींद की कमी व एसिडिटी आईबीएस के प्रमुख लक्षण हैं। पेट का ठीक से साफ न होना व खट्टी डकारें आना। जी मिचलाना और दिन में बार-बार मल त्याग की इच्छा होना। गंभीर स्थिति (60 प्रतिशत मामले) में बुखार आना और खून की कमी। शरीर में पानी की कमी और अपच।

स्वस्थ व्यक्ति की आंतों का संतुलन अचानक बिगडऩे का कारण तनाव, अनिद्रा और नशा प्रमुख वजह हैं। जठराग्नि के गड़बड़ाने से भी व्यक्ति के दिमाग में वहम की स्थिति बनी रहती है और वह खुद को रोगी मानने लगता है।

पुराने चावल, तुरई, लौकी, अनार, मूंग की दाल, ज्वार, सौंठ, कालीमिर्च, अदरक, लस्सी, धनिया, पुदीना, इलायची व जीरा विभिन्न तरह से प्रयोग में लें। कुछ मामलों में आईबीएस के कारण सिरदर्द, कमरदर्द, जोड़ों व सीने में दर्द होता है। अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा एसिडिटी के कारण भी हो सकता है। मक्के की रोटी, आलू, कद्दू, जिमिकंद, अनानास, लोबिया, राजमा, प्याज, बेसन आदि से बनी चीजों को कम या न के बराबर ही खाएं।

आईबीएस का इलाज लक्षणों के आधार पर होता है। प्लेसिबो तकनीक से रोगी का इलाज करते हैं। इसमें मरीज को दिमागी कार्यप्रणाली सुचारू करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। पेट में दर्द, ऐंठन, कब्ज या दस्त, बुखार आदि समस्याओं में दवाएं दी जाती हैं। साथ ही शरीर में पानी की कमी होने पर इंट्रावेनस फ्लूड बाहरी रूप से देते हैं। दिमाग को तंदुरुस्त रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें खाने और मेडिटेशन आदि करने की सलाह देते हैं।

तनाव से बचने के लिए नियमित योग और व्यायाम करें। कैफीन युक्त चीजें जैसे चाय, कॉफी या शीतल पेय न लें। खानपान पर विशेष ध्यान दें, रोजाना 8-9 गिलास पानी पीएं। कब्ज के कारण वाले पदार्थ जैसे शराब-सिगरेट से दूर रहें। फाइबरयुक्त फूड जैसे केला, सेब, गाजर आदि खाएं। तलाभुना व मसालेदार भोजन न करें। फूलगोभी, पत्तागोभी और मिर्च न खाएं। मानसिक रूप से यदि कोई तनाव, अवसाद का रूप ले रहा है तो परिवार के सदस्यों और दोस्तों से बात साझा करें।

आयुर्वेद में इस रोग को गृहणी दोष कहते हैं। इसमें रोगी को किसी प्रकार का गंभीर रोग होने की आशंका रहती है। कच्चे बील का चूर्ण, नमकीन छाछ (भुना जीरा, काला नमक व पुदीना मिली हुई), पीने से फायदा होता है। ब्राह्मी, शंखपुष्पी, अश्वगंधा का प्रयोग उपयोगी है। मेडिटेशन, शवासन व प्राणायाम करने से राहत मिलती है।

क्यों आती है पैरों में सूजन

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पैरों में सूजन की सबसे आम वजह 'फ्लूड रिटेंशन' यानी शरीर में तरल पदार्थ का जमाव होता है, जिसे मेडिकल भाषा में 'एडीमा' कहा जाता है। यह समस्या तब होती है जब शरीर के ऊतकों में अतिरिक्त फ्लूड जमा होने लगता है।

लंबे समय तक बैठना, अधिक देर खड़े रहना या कम फिजिकल एक्टिविटी करना इसकी वजह बन सकते हैं। इसके अलावा किडनी या लिवर से जुड़ी बीमारियां भी तरल संतुलन को प्रभावित करती हैं। किडनी अगर शरीर से वेस्ट और पानी को सही से बाहर नहीं निकालती, या लिवर पर्याप्त प्रोटीन नहीं बना पाता, तो पैरों में सूजन आ जाती है। अगर सूजन के साथ पेशाब कम हो, थकान या पीलापन दिखे, तो तुरंत जांच करानी चाहिए। दिल की बीमारियां भी पैरों में सूजन का एक बड़ा कारण हैं। जब हार्ट खून को सही से पंप नहीं कर पाता, तो खून और फ्लूड शरीर के निचले हिस्सों में जमा होने लगते हैं, खासकर टखनों में। इसे कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर कहा जाता है।

अगर सूजन के साथ सांस फूलना, सीने में दर्द या थकान भी हो, तो तुरंत कार्डियोलॉजिस्ट से संपर्क करें। अगर एक पैर में अचानक दर्द के साथ सूजन आ जाए, तो यह नसों में खून का थक्का होने का संकेत हो सकता है, जो पल्मोनरी एंबोलिज्म जैसी गंभीर स्थिति में बदल सकता है। वहीं हाइपोथायरॉइडिज्म से भी सूजन हो सकती है क्योंकि थायरॉइड हार्मोन द्रव संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं। कुछ दवाइयों जैसे बीपी कंट्रोलर, स्टेरॉइड्स या हार्मोनल थैरेपी भी सूजन का कारण बन सकती हैं। खराब लाइफस्टाइल, अधिक नमक, कम पानी या घंटों एक ही स्थिति में बैठना भी इस समस्या को बढ़ा सकता है। इसलिए सतर्क रहें, नियमित जांच कराएं और डॉक्टर की सलाह लें।

बता दें कि पैरों में सूजन एक आम स्वास्थ्य समस्या है, जो थोड़ी सी चलने-फिरने पर भी सामने आ सकती है। हालांकि कई बार यह हल्की-फुल्की दिक्कत होती है, लेकिन जब यह समस्या लगातार बनी रहती है या बढ़ने लगे, तो इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। अधिकतर लोग मानते हैं कि पैरों में पानी भरने या थायरॉइड की वजह से सूजन आती है, लेकिन इसके पीछे कई गंभीर कारण छिपे हो सकते हैं।

पैरों में सूजन आने के संभावित कारण

किडनी रोग: अगर किडनी सही ढंग से काम नहीं कर रही है, तो शरीर में एक्स्ट्रा लिक्विड जमा हो सकता है, जिससे पैरों और टखनों में सूजन आ जाती है. क्रोनिक किडनी डिजीज वाले मरीजों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है.

हार्ट प्रोब्लम्स: दिल ठीक से ब्लड सर्कुलेशन नहीं कर पा रहा हो, तो पैरों में तरल पदार्थ जमा होने लगता है. हार्ट की कमजोरी या कंजेस्टिव हार्ट फेलियर जैसी स्थितियां इस सूजन का कारण बन सकती हैं.

लिवर से जुड़ी बीमारियां: लीवर की समस्याओं से शरीर में प्रोटीन का लेवल गिर सकता है, जिससे पैरों में सूजन बढ़ सकती है. लिवर सिरोसिस या अन्य लिवर रोगों में यह लक्षण दिख सकता है.

थायरॉयड की समस्या: हाइपोथायरायडिज्म होने पर शरीर में पानी का असंतुलन हो सकता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है.

डायबिटीज: डायबिटीज के मरीजों में ब्लड फ्लो ठीक न होने के कारण पैरों में सूजन, जलन या घाव होने की संभावना रहती है.

कैसे करें सूजन को कम?

नमक का सेवन कम करें, क्योंकि ज्यादा नमक शरीर में पानी रोकता है. व्यायाम करें और शरीर को एक्टिव रखें ताकि ब्लड सर्कुलेशन सही रहे. पैरों को ऊपर उठाकर रखें, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो.

डॉक्टर की सलाह लें अगर सूजन लगातार बनी रहे या दर्द बढ़ जाए.

खूब पानी पिएं ताकि शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलें.

अगर पैरों में सूजन बार-बार होती है, तो इसे हल्के में न लें। यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। सही समय पर डॉक्टर से परामर्श लें और अपने जीवनशैली में बदलाव करें ताकि आप स्वस्थ रह सकें.

सोते समय सीने में दर्द को न करें नजरअंदाज

अगर आपको रात में सोते समय या अचानक नींद से उठकर सीने में तेज दर्द महसूस होता है, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। कई लोग इसे गैस, एसिडिटी या थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बार-बार ऐसा होना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

क्यों होता है रात में सीने में दर्द?

डॉक्टरों के अनुसार, रात में सीने में दर्द कई कारणों से हो सकता है। कुछ कारण सामान्य होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह दिल या फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

एंजाइना (दिल से जुड़ी समस्या)

एंजाइना तब होता है जब दिल तक खून पहुंचाने वाली नसें संकरी हो जाती हैं। इससे दिल को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती और सीने में दबाव या दर्द महसूस होता है। यह दर्द आराम करते समय या नींद में भी हो सकता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकता है।

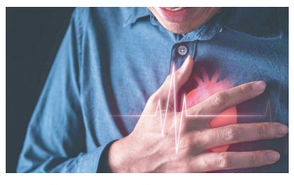

एसिडिटी या एसिड रिफ्लक्स

कई बार लेटने पर पेट का एसिड ऊपर आ जाता है, जिससे सीने में जलन या दर्द महसूस होता है। इसे लोग अक्सर गैस समझ लेते हैं, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

ब्लड प्रेशर और फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं

अगर ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो सीने में दर्द हो सकता है। वहीं, फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं जैसे प्ल्यूरिसी में सांस लेते समय सीने में चुभन महसूस होती है।

कब हो सकता है हार्ट अटैक का संकेत?

अगर सीने के दर्द के साथ नीचे दिए गए लक्षण दिखें, तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए

बहुत तेज या दबाव वाला सीने का दर्द

ठंडा पसीना आना

मतली या उल्टी जैसा महसूस होना

सांस लेने में दिक्कत

चक्कर आना या बेहोशी

दिल की धड़कन का असामान्य होना

ये सभी हार्ट अटैक के संकेत हो सकते हैं और समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा साबित हो सकते हैं।

क्या करें ऐसी स्थिति में?

अगर आपको रात में बार-बार सीने में दर्द हो रहा है, तो तुरंत डॉक्टर से जांच कराएं। दर्द को नजरअंदाज करने की बजाय सही समय पर इलाज करवाना बेहद जरूरी है। अगर दर्द बहुत तेज हो या ऊपर बताए गए लक्षण दिखें, तो बिना देर किए इमरजेंसी मेडिकल मदद लें।

रात में सीने में दर्द कभी-कभी सामान्य कारणों से भी हो सकता है, लेकिन इसे बार-बार नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। सही समय पर पहचान और इलाज से बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है।

कटहल काटते वक्त अब न चिपचिपाएगा चाकू ना ही हाथ कटने का होगा डर

आसान चॉपिंग के लिए आजमाएं 4 टिप्स

कटहल जितना स्वादिष्ट होता है उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी है। इसमें विटामिंस, मिनरल्स, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्प पाए जाते हैं। गर्मियों में इसे खाने से हेल्थ को काफी भी बेनिफिट्स होते हैं। इसलिए लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करना पसंद करते हैं। वैसे सब्जी बनानी हो या अचार या फिर बिरयानी कटहल हर मामले में सभी सब्जियों पर भारी पड़ता है। लेकिन इसे काटने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। क्योंकि इसमें से चिपचिपा रेशा निकलता है, जो न सिर्फ चाकू पर चिपकता है बल्कि हाथ फिसलने से कटने का डर भी रहता है। ऐसे में हम आपको कटहल काटने का सही तरीका बता रहे हैं जिससे घर में ही बेहद आसानी से इसे काट सकती हैं। जब कटहल को काटने की तैयारी करें तो सबसे पहले उसे अच्छी तरह धो लें। और उसके आसपास 2-3 न्यूज पेपर बिछा लीजिए। साथ ही एक कटोरी में सरसों का तेल रख लीजिए। चॉपिंग के लिए अगर बड़ा चाकू हो तो बेहतर रहेगा, नहीं तो दो छोटे चाकू रख लीजिए। इसके अलावा एक बर्तन में पानी भरकर उसमें नमक और हल्दी मिला लीजिए। कटहल को आसानी से काटना चाहते हैं तो चाकू पर सरसों का तेल लगा लीजिए। इसके बाद कटहल को दो हिस्सों में काट लीजिए, इससे सफेद चिपचिपा पदार्थ ज्यादा नहीं फैलेगा। अब इसके दोनों हिस्सों को गोल-गोल स्लाइस की तरह काट लें। जिससे कटहल करीब 8 से 10 हिस्सों में बंट जाएगा। अब आसानी से इसके छिलके निकाल लीजिए। इस बात का ध्यान रखें कि जब भी आप कटहल के टुकड़े करें तो चाकू और हाथ पर हल्का सा तेल जरूर लगाते जाएं। इससे कटहल काटने में आसानी होगी। वहीं छिलका निकालने के बाद धीरे-धीरे कटहल के छोटे-छोटे टुकड़े कर लीजिए। और इन टुकड़ों को नमक-हल्दी वाले पानी में डाल लीजिए। अगर कटहल की सूखी सब्जी बनाना चाहते हैं तो हाथ में तेल लगाकर कटे हुए सफेद टुकड़ों के रेशों को चाकू की मदद से धीरे-धीरे अलग कर दीजिए।

मनिका बत्रा और मानव ठक्कर करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

आज से शुरु होगा आईटीटीएफ विश्व कप 2026

मकाऊ (चीन)।

मनिका बत्रा और मानव ठक्कर सोमवार से शुरु हो रहे आईटीटीएफ विश्व कप 2026 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। आज से शुरु हो रहे आईटीटीएफ विश्वकप में पुरुषों और महिलाओं, दोनों ही कैटेगरी के एकल मुकाबलों में कुल मिलाकर 96 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस साल महिलाओं के मुकाबले में ओलंपियन मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जबकि पुरुषों के ड्रॉ में एशियाई खेलों के पदक विजेता मानव ठक्कर देश के एकमात्र खिलाड़ी हैं।हर ड्रॉ में, 48 खिलाड़ियों को तीन-तीन के 16 ग्रुप में बांटा गया है।टेबल टेनिस वर्ल्ड कप दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत ग्रुप चरण से होगी, जो राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसमें हर खिलाड़ी अपने-अपने ग्रुप के बाकी दो खिलाड़ियों से मुकाबला

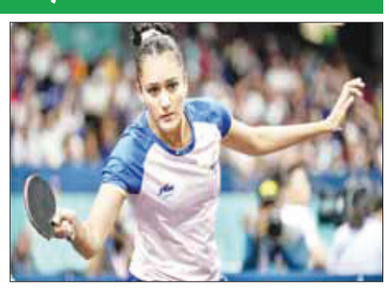

करेगा।हर ग्रुप की शीर्ष टीमें राउंड ऑफ़ 16 चरण में पहुंचेंगी। यहीं से नॉकआउट चरण की शुरुआत होगी, जिसका समापन फाइनल मुकाबले के साथ होगा। ग्रुप चरण के सभी मैच बेस्ट-ऑफ़-फ़ाइव (पांच गेम में से तीन जीतने वाला) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जबकि नॉकआउट मैच बेस्ट-ऑफ़-सेवन (सात गेम में से चार जीतने वाला) फॉर्मेट में होंगे।

चोटिल कोने के कारण खेल से बाहर हुए कप्तान स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी।

स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत: गावस्कर

गावस्कर बोले 2 साल का बैन असरदार नहीं, इंग्लिश बैटर डकेट ने नाम लिया वापस

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने

वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है।

गावस्कर ने कहा, यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते। 'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा। डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

एलेक्स फिट्ज़पैट्रिक ने हीरो इंडियन ओपन में जीता खिताब

गुरुग्राम। हीरो इंडियन ओपन में कमज़ोर खिलाड़ियों को लाइमलाइट में लाने का एक तरीका है।पिछले साल, यूजेनियो चाकारा एक स्पॉन्सर के इनवाइट पर देश के नेशनल ओपन में आए थे।वह जीते, और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।चाकारा अपने टाइटल डिफेंस में जितने बहादुर थे, फिनाले में एक और नाम लिखा था।चाकारा पर 9-अंडर 279 (70, 68, 72, 69) पर दो शॉट की जीत से पहले, एलेक्स फिट्ज़पैट्रिक भी एक एस्पिरेंट के तौर पर भारत आए थे।उन्होंने 2024 में होटलप्लानर टूर के ज़रिए डीपी वर्ल्ड टूर में जगह बनाई, और तब से यह मेन टूर पर बड़ी जीत के लिए डटे रहने के बारे में था।बड़े भाई की तरह बननाफिट्ज़पैट्रिक परिवार के गोल्फ़ जीन्स ने उन्हें प्रेरित किया है, और हालांकि छोटे

फिट्ज़पैट्रिक पर बड़े भाई मैट की तरह बनने का कोई दबाव नहीं था, जो पीजीए टूर पर तीन बार के विजेता हैं, एलेक्स के अंदर के एथलीट ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि बड़े मंच पर उनका समय आ सकता है। उनके और उस मुश्किल जीत के बीच कुछ भी नहीं था, सिवाय धैर्य रखने की ज़रूरत के, और पूरे हफ़्ते और एशियन स्विंग पर टूर के 2.55 मिलियन डॉलर के शोपीस इवेंट के आखिरी 18 होल्स में ठीक यही हुआ।इस गोल्फ़ कोर्स पर डबल बोगी के किसी भी समय गंभीर नतीजे हो सकते हैं, लेकिन इस बार इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ा जब फिट्ज़पैट्रिक ने 18वें होल पर एक के साथ काम पूरा किया।इन इलाकों में एक चैंपियन का जन्म हुआ था, और जो सरनेम पूरी दुनिया में गूंजेगा वह फिट्ज़पैट्रिक होगा।

मैरी कॉम ने आदिवासी खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनाने का किया आह्वान

नयी दिल्ली।

पूर्व महिला मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने रविवार को भारत के आदिवासी समुदायों के बीच खेलों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि इन समुदायों के लोगों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विजेता बनने के लिए जरूरी शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता मौजूद है।एआईबीए महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छह बार स्वर्ण पदक जीतने वाली कॉम ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में आयोजित चिफ्ट इंडिया संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम के दौरान यूनीवार्ता को दिए एक साक्षात्कार मे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि अगर आदिवासी

खिलाड़ियों (पुरुष और महिला दोनों) को सही तरह का सहयोग मिले, तो वे निश्चित रूप से बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।उन्होंने कहा, मैं खुद कॉम समुदाय से आने वाली एक आदिवासी महिला हूं।आदिवासी लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं जहां की परिस्थितियां काफी कठिन होती हैं, उनमें जबरदस्त शारीरिक और मानसिक दृढ़ता होती है और उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में बहुत अधिक कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।आदिवासी लोग स्वभाव से ही मजबूत होते हैं, और मुझे लगता है कि अगर उन्हें सही मात्रा में सहयोग और जागरूकता मिले, तो वे खेलों के क्षेत्र में निश्चित रूप से बहुत आगे बढ़ेंगे। 2012 के लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली इस खिलाड़ी ने छत्तीसगढ़ में चल रहे पहले खेलो इंडिया आदिवासी खेल 2026 की जमकर सराहना की। इन खेलों में 30 राज्यों के आदिवासी एथलीट हिस्सा ले रहे हैं।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएट) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हैं।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

मोंटेकार्लो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे जोकोविच

मियामी।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि फिट नहीं होने के कारण वह अगले माह होने वाले मोंटेकार्लो मास्टर्स से बाहर रहेंगे। जोकोविच इंडियन वेल्स में हार के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इससे माना जा रहा है कि अब वह फ्रेंच ओपन से ही वापसी करेंगे। जोकोविच दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भी नहीं खेल रहे हैं। वहीं आयोजकों और प्रशंसकों ने उम्मीद जतायी कि वह शीघ्र ही वापसी करेंगे। जोकोविच बीएनपी पारिबास ओपन में अंतिम बार जैक ड्रेपर से तीन सेटों

में हार गये थे। उसके बाद से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। वहीं मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में ही बाहर हो गये थे। मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट अगले माह 4 अप्रैल से शुरू 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। ये साल 2011 के बाद यह पहली बार होगा जब जोकोविच इससा हिस्सा नहीं होंगे।

38 वर्षीय जोकोविच पिछले कुछ महीनों से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। मोंटे-कार्लो मास्टर्स का प्रायोजन दिग्गज कारोबारी रोलेक्स समूह करता है। ये पुरुष पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक टेनिस टूर्नामेंट है जो आउटडोर क्ले कोर्ट पर खेला जाएगा।

चीनी में साप्ताहिक गिरावट

दाल, खाद्य तेलों में घट-बढ़ जारी

नयी दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं और चीनी की कीमतों में नरमी रही जबकि खाद्य तेल और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 22 रुपये टूटकर 2,797 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे का भाव दो रुपये बढ़कर 3,296 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 72 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।उड़द दाल 68 रुपये और चना दाल पांच रुपये सस्ती हुई।मूंग दाल में 19 रुपये की गिरावट रही। मसूर दाल का भाव चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा।बीते सप्ताह पाम ऑयल में औसतन 219 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी।मूंगफली तेल 74 रुपये और सरसों तेल 48 रुपये फिसल गया।सूरजमुखी तेल की कीमत 30 रुपये और वनस्पति की 29 रुपये टूट गयी।सोया तेल भी 145 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 44 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया।चीनी भी 19 रुपये सस्ती हुई।

अप्रैल में 14 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी अप्रैल में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। आरबीआई की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 8 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। महीने की शुरुआत यानी 1 अप्रैल को छुट्टी से होगी। पूरे देश में बैंक सालाना अकाउंट क्लोजिंग के कारण बंद रहेंगे। इस दिन बैंक में कोई भी ऑफलाइन काम नहीं हो पाएगा। बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। अप्रैल 2026 में शेयर बाजार में 10 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे और 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती पर भी बंद रहेगा।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में जारी रह सकता है उतार-चढ़ाव

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की

निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने माना इकोनॉमी की रफ्तार धीमी

महंगे तेल-लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन बिगड़ने का असर; महंगाई बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने मार्च 2026 की अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब थोड़ी धीमी हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने माना है कि इन बाहरी झटकों की वजह से देश के अंदर इनपुट कॉस्ट यानी प्रोडक्शन की लागत बढ़ गई है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव दिख रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2026 तक भारतीय इकोनॉमी काफी मजबूत स्थिति में थी। डोमेस्टिक डिमांड, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और सरकारी नीतियों की मदद से सप्लाई और डिमांड दोनों मोर्चों पर प्रदर्शन अच्छा रहा था।मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में बढ़त बनी हुई थी, वहीं

गाड़ियों की बिक्री और डिजिटल पेमेंट्स में भी लगातार ग्रोथ दर्ज की गई थी।

इनपुट कॉस्ट और सप्लाई चेन में दिक्कतें बढ़ीं

मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 से ग्लोबल हालात बदलने लगे। वेस्ट एशिया में तनाव बढ़ने से एनर्जी मार्केट और लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई) बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसका सीधा असर भारत के प्रोडक्शन सेक्टर पर पड़ा है।

रिपोर्ट में ई-वे बिल जनरेशन में आई कमी और फ्लैश इंडेक्स (परचेज मैनेजर इंडेक्स) के कमजोर आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि महीने-दर महीने आधार पर इकोनॉमी की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है। राहत की बात यह है कि देश में घरेलू मांग अभी भी बनी हुई है। व्हीकल रजिस्ट्रेशन और डिजिटल ट्रांजैक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि लोग खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक रेड फ्लैग भी दिखाया गया है। मंत्रालय ने नोट किया है कि ग्रामीण इलाकों में सेंटीमेंट थोड़ा कमजोर हुआ है। मांग और सप्लाई के बीच यह अंतर बताता है कि फिलहाल सुस्ती कंजम्पशन की कमी से नहीं, बल्कि बढ़ती लागत और सप्लाई में रुकावटों की वजह से है।

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत मिले हैं। अभी तक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतें थीं, लेकिन मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा असर अभी तक घरेलू बाजार में नहीं दिखा है। अगर वैश्विक स्तर पर एनर्जी की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। यह अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा रिस्क है। पिछले महीने फरवरी में रिटेल महंगाई ब?कर 3.21ब पर पहुंच गई थी।

इंडिगो नवी मुंबई से 30 से अधिक नये मार्गों पर शुरू करेगी उड़ानें

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा प्रदाता कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च से 23 अप्रैल के बीच नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 से अधिक नये मार्गों पर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने रविवार को बताया कि नये मार्गों में नवी मुंबई से आगरा, अयोध्या, बागडोगरा, बेलगांव, चंडीगढ़, दीव, कन्नूर, कोलकाता, पटना, राजकोट, श्रीनगर, वाराणसी और विशाखापत्तनम् के लिए उड़ानें शामिल होंगी।इन उड़ानों के साथ नवी मुंबई से और नवी मुंबई के लिए इंडिगो की सप्ताह में 400 से अधिक उड़ानें हो जायेंगी।विमान सेवा कंपनी ने आज ही गुजरात के भावनगर और महाराष्ट्र के नवी मुंबई के बीच भी उड़ान शुरू की है।इस मार्ग पर एटीआर विमान का परिचालन किया जा रहा है।

टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू 1.75 लाख-करोड़ घटी

नई दिल्ली। मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 1.75 लाख करोड़ रुपए घट गई। मिडिल ईस्ट में तनाव और इजराइल-ईरान जंग की वजह से यह गिरावट आई है।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी। रिलायंस का मार्केट कैप 89,720 करोड़ रुपए घटकर 18.24 लाख करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी का मार्केट कैप 37,248 करोड़ रुपए घटकर 11.64 लाख करोड़ पर आ गया। वहीं एसबीआई की मार्केट वैल्यू 35,399 करोड़ घटकर 9.41 लाख करोड़ पर आ गई।

कुसुम योजनाओं से प्रदेश बनेगा नवकरणीय ऊर्जा में आदर्श राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री को सौंपा 4.39 करोड़ के लाभांश का चेक

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम को लाभ की स्थिति में आने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि कुसुम योजनाओं में किसानों द्वारा ली जा रही रुचि प्रदेश को नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने में सहायक होगी।

डॉ. यादव को मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने 4 करोड़ 39 लाख रुपए लाभांश का चेक भेंट किया। मंत्री शुक्ला ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नीतियों के परिणाम स्वरूप म.प्र. ऊर्जा विकास निगम पिछले 2 वर्षों में लाभ की स्थिति में आ गया है। वर्ष 1982 में निगम की स्थापना के बाद यह पहला अवसर है, जब निगम को लाभ हुआ है। मंत्री शुक्ला ने बताया कि कुसुम योजनाओं में किसानों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लेने के परिणाम स्वरूप 3 वर्षों में निगम को 41 करोड़ आय हुई है, निगम के लाभ में शासन का अंश 20 प्रतिशत का है, जिसमें से 10 प्रतिशत अर्थात 4.39 करोड़ रुपए का चैक अभी सौंपे जा रहे हैं। शेष 10 प्रतिशत राशि कुछ समय बाद सौंपी जाएगी।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की निर्णायक भूमिका : सारंग

युवा संवाद-बजट 2026 : खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने किया युवाओं से संवाद

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को एक निजी यूनिवर्सिटी में आयोजित युवा संवाद- बजट 2026 कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित होकर युवाओं से संवाद किया। मंत्री सारंग ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं केंद्रीय बजट वर्ष 2026-27 के प्रमुख प्रावधानों, सरकार की दूरदृष्टि और विकसित भारत के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मंत्री सारंग ने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की सशक्त आधारशिला है। इसमें 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित है। यह बजट GYAN (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) पर केंद्रित है जो युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला, किसानों के आत्मविश्वास को मजबूत करने वाला, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाला तथा मध्यम और गरीब वर्ग को सशक्त करने वाला है।

अवसर सृजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मंत्री सारंग ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। बजट 2026 में विशेष रूप से युवाओं की सहभागिता और नेतृत्व को केंद्र में रखा गया है। स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को दक्ष बनाकर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दे रहा बजट

मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं बल्कि भारत की ग्रोथ इंजन हैं। यही कारण है कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा बल्कि उसे नीति और नीयत दोनों का हिस्सा बनाया। यह बजट इसी स्पष्ट नीयत का प्रमाण है, जहां हर योजना, हर निवेश और हर सुधार के केंद्र में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा, स्वावलंबन और नेतृत्व क्षमता को रखा गया है। इस बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए जो रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, वह सामाजिक न्याय से आगे बढ़कर आर्थिक भागीदारी, तकनीकी नेतृत्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक महिलाओं की भूमिका को विस्तार देता है।

मौत की रफ्तार भरने वाले स्टंटबाज गिरफ्तार, पुलिस ने सिखाया सबक

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी की सड़कों को रेसिंग ट्रैक समझने वाले स्टंटबाजों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सोमवार देर रात भोपाल के मशहूर वीआईपी रोड पर खतरनाक स्टंट कर राहगीरों में दहशत फैलाने वाले दो बाइक सवारों को पुलिस ने घेराबंदी कर धर दबोचा।

गश्त के दौरान पुलिस की चौकसी: मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस की टीम सोमवार रात नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान वीआईपी रोड पर एक संदिग्ध बाइक खड़ी नजर आई। पुलिस के कुछ करीब पहुंचते ही बाइक सवारों ने अचानक रफ्तार बढ़ा दी और बीच सड़क पर जानलेवा स्टंट करने लगे। उनकी लापरवाही और तेज रफ्तार को देखकर वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई।

सूबेदार जितेंद्र अटेरिया के नेतृत्व में कार्रवाई : स्टंटबाजों की बढ़ती गुंडागर्दी को देखते हुए सूबेदार जितेंद्र अटेरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत एक्शन लिया। पुलिस ने तत्परता से घेराबंदी की और दोनों राइडर्स को हिरासत में ले लिया। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्थिति इतनी भयावह थी कि कई लोगों ने अपनी गाड़ियां किनारे खड़ी कर ली थीं ताकि कोई हादसा न हो जाए।

आरोपी तलैया थाने के सुपुर्द : गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए तलैया थाने के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस अब इन पर लापरवाही से वाहन चलाने और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने जैसी गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान भारत योजना की इन्सेंटिव वितरण प्रणाली को बनाएं पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सकों एवं सहायक चिकित्सकीय स्टॉफ को आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली इन्सेंटिव व्यवस्था की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि इंसेंटिव वितरण प्रणाली को पूर्णतः पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाया जाए, ताकि पात्र चिकित्सकों एवं स्टॉफ को समय पर प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो सके। उन्होंने डेटा एंट्री प्रक्रिया को सरलीकृत एवं सुगम बनाने तथा समयबद्ध डेटा एंट्री सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मैन पॉवर की व्यवस्था किए जाने के निर्देश भी दिए। उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपलब्ध कुशल एवं दक्ष मैनपावर को प्रोत्साहन देना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनका मनोबल बना रहे और वे पूर्ण ऊर्जा, प्रतिबद्धता एवं समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय कर सकें।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील, मेक इन इंडिया को देगी नई गति : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। भारत-अमेरिका के बीच हुई नई ट्रेड डील अभिनन्दनीय है। यह ट्रेड डील, मेक इन इंडिया को नई गति देगी। इससे देश को प्रगति के नए अवसर प्राप्त होंगे। यह डील भारत के सशक्त नेतृत्व और विकास में साझा विश्वास को दर्शाता है।

उत्कृष्ट व मॉडल स्कूल, श्रमोदय आवासीय प्रवेश परीक्षा 8 को

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जिला उत्कृष्ट व मॉडल स्कूल एवं श्रमोदय आवासीय प्रवेश चयन परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा 8 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे से शुरू होगी और दोपहर 1 बजे तक चलेगी। श्रमोदय आवासीय प्रवेश परीक्षा में कुल 2 हजार 870 विद्यार्थी एवं जिला उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा में 80 हजार 699 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 386 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि सभी परीक्षार्थी समय रहते अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों।

मप्र राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान को देगा ईव्हीएम, एडिशनल एम.ओ.यू. हुआ हस्ताक्षरित

भोपाल। राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के सुचारु, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग एवं म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के मध्य मंगलवार को जयपुर में सचिवालय स्थित राज्य निर्वाचन आयोग में अतिरिक्त समझौता ज्ञापन (एडिशनल एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एम.ओ.यू. मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग एवं राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के बीच ईवीएम उपलब्धता एवं उपयोग से संबंधित पूर्व में किए गए समझौते का विस्तार है। आयुक्त राज्य निर्वाचन म.प्र. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि इस एडिशनल एम.ओ.यू. के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कुल 30 हजार कंट्रोल यूनिट एवं 60 हजार बैलेट यूनिट किराये पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इन ईवीएम का उपयोग राजस्थान में नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री यादव से मिले केन्द्रीय मंत्री चौहान, विभिन्न विषयों पर की चर्चा

भोपाल (नगर संवाददाता)

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उनके बीच विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि आज भोपाल निवास पर केंद्रीय मंत्री एवं भाईसाहब शिवराज सिंह चौहान ने आत्मीय भेंट की। इसके साथ ही विभिन्न मुद्दों खासकर किसानों को लेकर बात की। वहीं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के दौरान विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश सरकार साल 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मना रही है। इसी को लेकर राज्य सरकार मार्च से कृषि कैबिनेट की शुरुआत करेगी। इसकी पहली बैठक निमाड़ अंचल के खरगोन या खंडवा में होगी। वहीं, पिछले तीन दिनों से प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि हुई है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का सर्वे करा रही है, ताकि किसानों को राहत दी जा सके। इन्हीं मुद्दों को लेकर मुलाकात के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के बीच बातचीत हुई।

शिवराज ने स्मार्ट सिटी पार्क में किया पौधरोपण

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में मंगलवार को भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में पौधरोपण किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए सभी नागरिकों से अपील की है कि आप भी विभिन्न अवसरों पर पौधरोपण अवश्य कीजिए, यह धरती की समृद्धि के साथ-साथ मानव जीवन को भी धन्य करेगी व भावी पीढ़ियों को बेहतर दुनिया मिलेगी।

पुराने फाउंडेशन पर स्थापित किया अधिक क्षमता का कैपेसिटर बैंक

उपभोक्ताओं को मिल रही गुणवत्तापूर्ण एवं स्थिर वोल्टेज की बिजली

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने आगर स्थित 132 के.वी. सब स्टेशन में तकनीकी नवाचार करते हुए पुराने कैपेसिटर बैंक के फाउंडेशन पर ही अधिक क्षमता का नया कैपेसिटर बैंक सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है।

क्षेत्र में इंडक्टिव लोड बढ़ने के कारण पूर्व में स्थापित 5 एमवीएआर क्षमता का कैपेसिटर बैंक लोड वहन नहीं कर पा रहा था। इससे वोल्टेज प्रोफाइल प्रभावित हो रही थी। सीमित स्थान के कारण नए फाउंडेशन का निर्माण संभव नहीं था।

वोल्टेज प्रबंधन की चुनौती का समाधान करते हुए एमपी ट्रांसको के सहायक अभियंता योगेश राठौर ने तत्कालीन कार्यपालन अभियंता शेखर फटाले के मार्गदर्शन में पुराने फाउंडेशन का ही उपयोग कर आवश्यक तकनीकी संशोधन किए और उसी फाउंडेशन पर 12 एमवीएआर क्षमता का नया कैपेसिटर बैंक स्थापित किया। इससे समय और लागत कम होने के साथ ही क्षमता संवर्धन के लिये अतिरिक्त भूमि की जरूरत नहीं पड़ी।

इन क्षेत्रों को मिल रहा लाभ : कैपेसिटर बैंक की क्षमता बढ़ने से आगर 132 के.वी. सब स्टेशन से जुड़े 33 के.वी. के 9 फीडरों के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर, स्थिर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिल रही है। लाभान्वित क्षेत्रों में मोया खेड़ा, कानड़, नलखेड़ा, निपानिया बैजनाथ, मडकोटा, धानोदता, आगर, झरखेड़ा एवं आगर टाउन शामिल हैं।

बजट विकसित भारत की परिकल्पना : सीएम

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। केंद्रीय बजट 2026 को लेकर भोपाल में मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बजट में उद्योग, एमएसएमई और बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल प्रावधान किए गए हैं। आईटी, पर्यटन, हेल्थ सेक्टर, युवाओं और नारी सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। मेट्रोपॉलिटन सिटी को लेकर नए प्रावधान किए गए हैं, जिससे शहरों को प्रमोट किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा कि वित्त आयोग की सिफारिशों को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। बजट तैयार करने में वित्तीय विशेषज्ञों को जोड़ा गया है, जिससे यह वित्तीय दृष्टि से मजबूत बना है। उन्होंने कहा कि बजट केवल दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत की परिकल्पना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भविष्य में ग्रीन एनर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बजट में इसे प्राथमिकता दी गई है।

सीएम ने बताया कि रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। रेल बजट को लेकर कहा कि मध्य प्रदेश के लिए आज से एक नई क्रांति शुरू हुई है। रेल पटरी आठ गुना बढ़ी है, विद्युतीकरण पांच गुना हुआ है। स्टेशन से लेकर हर सेक्टर में विकास होगा। रेल कनेक्टिविटी बढ़ने से प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। मध्य प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां बेरोजगारी सबसे कम है। यह सरकार की नीतियों की सफलता का प्रमाण है।

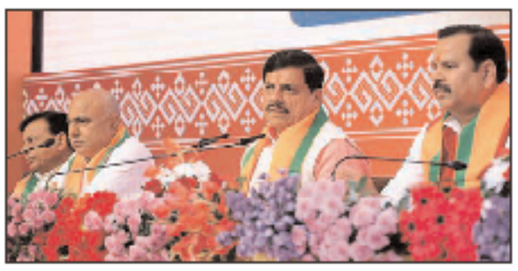

वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि यह बजट देश की दशा और दिशा बदलने वाला है। रेयर अर्थ मिनरल की खोज के लिए ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 40 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महिलाओं के लिए हर जिले में हॉस्टल, किसानों की आय बढ़ाने, पशुपालन में सब्सिडी और हर सेक्टर को छूने वाले प्रावधान इस बजट की विशेषताएं हैं।

मंत्री सिलावट के साथ विधायक सबनानी ने किया कलियासोत डेम क्षेत्र का निरीक्षण

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट के साथ दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने मंगलवार को कलियासोत डेम क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक सबनानी ने मंत्री सिलावट से कलियासोत डेम क्षेत्र में सौन्दर्यीकरण कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का अनुरोध किया और ज्ञापन सौंपा।

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कलियासोत डेम के 13 शटर चंदनपुरा के पास स्थित भूमि एवं पं. खुशीलाल शर्मा महाविद्यालय के पीछे कलियासोत डेम प्रसिद्ध सार्वजनिक भ्रमण स्थल है। मनोरम दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पर जाते हैं। विधायक सबनानी ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से एवं क्षेत्र में रेलिंग लगाकर आने वाले लोगों की सुविधाओं का विस्तार हो और क्षेत्र को एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए, तो यह स्थान सभी के आकर्षण का केंद्र होगा और बड़ी संख्या में लोग यहां पर अपने परिवार के साथ आकर इस आकर्षक स्थल का लाभ ले सकेंगे। मंत्री तुलसी सिलावट ने विभागीय अधिकारियों को स्थान का निरीक्षण कर अतिशीघ्र काम को करने के आदेश दिए। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ अन्य विभाग के भी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसान निर्धारित समय में कराएं अपना पंजीयन

7 फरवरी से शुरू होंगे समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के पंजीयन : राजपूत

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन 7 फरवरी से शुरू होगा। किसान 7 फरवरी से 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें।

उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था : पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान-पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

आधार नंबर का वेरिफिकेशन : पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरिफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी या बायोमैट्रिक डिवाइस से किया जा सकेगा। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भू-अभिलेख के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा।

किसानों को करें एसएमएस : विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। ग्राम में डोंडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति/मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं। सभी प्रक्रियाएँ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये हैं।

उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक का नाम, खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाइल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए ताकि किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाइल नंबर एवं बायोमैट्रिक अपडेट करा सकें। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन हेतु पंजीयन के दौरान ही 1 रुपये का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन/JIT पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वैश्विक मंच पर सशक्त हुआ भारत : शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर आत्मविश्वासी और प्रभावशाली शक्ति बना है। आर्थिक सुधारों, वैश्विक सहयोग और सतत विकास के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संपन्न हुआ व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच गहरे, भरोसेमंद और दूरदर्शी साझेदारी संबंधों का सशक्त प्रतिबिंब है। यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को नई गति प्रदान करेगा तथा निवेश, नवाचार, औद्योगिक सहयोग के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भरोसेमंद और दूरदर्शी साझेदारी संबंधों का सशक्त प्रतिबिंब

शुक्ल ने कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहभागिता को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। यह व्यापार समझौता भारत की विकास यात्रा को और तेज करेगा, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करेगा तथा दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि में सार्थक योगदान देगा। यह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने और भारत के समग्र विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- **नवीन आनंद जोशी**, मुख्य कार्यकारी संपादक **श्रीमती रोमा मल्होत्रा**। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।